संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 111
पृष्ठ 8
बुधवार
08 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डेंगू में फटाफट रिकवरी....

विचार- पत्रकार की हत्या से....

खेल- युवराज सिंह उतरे विराट...

'भारतपोल' से अंतर्राष्ट्रीय जांच के मामले में देश में नये युग की शुरूआत : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतपोल पोर्टल से अंतर्राष्ट्रीय जांच के मामले में भारत में एक नए युग की शुरूआत हो रही है और यह पोर्टल तथा तीनों नये आपराधिक कानून विदेश भागने वाले अपराधियों को पकड़ने का मजबूत माध्यम बनेंगे। श्री शाह ने मंगलवार को यहां केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने सीबीआई के 35 पुरस्कार विजेता अधिकारियों को पुलिस पदक भी प्रदान किए, जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और जांच में उत्कृष्टता के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और सीबीआई निदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस पोर्टल की शुरूआत के साथ अंतर्राष्ट्रीय जांच के मामले में भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतपोल के माध्यम से भारत की हर एजेंसी और पुलिस बली बहुत सरलता के साथ इंटरपोल के साथ समन्वय कर जांच को गति दे सकेगी। श्री शाह ने कहा कि सरकार की नीतियों से साइंटिफिक रोडमैप–तुनव; और समयबद्ध कार्यक्रम के तहत रीजनल लीडर से ग्लोबल लीडर बनने की भारत की यात्रा को आकार मिला है और इस रास्ते पर हम आगे भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में आगे बढ़ते और वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हमें अपनी व्यवस्थाओं को अपग्रेड करना होगा और भारतपोल इसी दिशा में एक कदम है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतपोल के पांच प्रमुख मॉड्यूल्स के माध्यम से सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहायता का एक तकनीकी मंच मिला है। उन्होंने कहा कि कनेक्ट माड्यूल के माध्यम से सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब एक प्रकार से इंटरपोल की नेशनल सेंट्रल ब्यूरो बन जाएंगी। उन्होंने कहा कि इंटरपोल नोटिस के लिए अनुरोधों का त्वरित, सुरक्षित और संरचित प्रसारण भी इससे सुनिश्चित हो जाएगा, जिससे हम भारत के अपराधियों और दुनियाभर के अपराधियों का तेज़ गति से पता करने की एक वैज्ञानिक व्यवस्था खड़ी कर सकेंगे। श्री शाह ने कहा कि 195 देशों के इंटरपोल के माध्यम से विदेशों में जांच के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता लेना और देना बहुत सरल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 195 देशों से सहायता के लिए अनुरोध, हमारे पास ब्रॉडकास्ट माड्यूल के माध्यम से तुरंत उपलब्ध होंगे और रिसोर्सज के माध्यम से हम दस्तावेज़ों और क्षमता निर्माण को प्राप्त करने और भेजने की व्यवस्था खड़ी कर सकेंगे। श्री शाह ने कहा कि भारतपोल पोर्टल को बहुत विस्तृत एक्सरसाइज़ कर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल की विशेषता है जो अपराध नियंत्रण के लिए हमारी एजेंसियों के बीच सीधा और प्रभावी संवाद सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से वैश्विक नेटवर्क के साथ डेटा साझा और रेड कॉर्नर नोटिस तथा अन्य नोटिस को जारी करने के लिए दूसरे देशों के और हमारे अनुरोधों पर हम तेज़ी से काम कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि कई सालों तक भारत में अपराध कर दुनिया के अन्य देशों में भाग जाने वाले अपराधी हमारे कानूनों की पकड़ से बाहर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि आधुनिक व्यवस्थाओं का उपयोग कर कानून की पहुंच से बाहर रहे अपराधियों को हमारे कानून की गिरफ्त में लाया जाए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों की मदद से एक न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित कर कोर्ट के आदेश के साथ भगोड़े अपराधियों की अनुपस्थिति में उन पर केस चलाना सरल हो जाएगा।

दिल्ली में चुनावी दंगल का आगाज, 5 फरवरी को होगी वोटिंग

● 8 को आएंगे नतीजे, आचार संहिता लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आज चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि दिल्ली में एक चरण में वोट डाले जाएंगे। दिल्ली में वोट डालने की तारीख 5 फरवरी होगी जबकि नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। इसके साथ ही दिल्ली में आचार संहिता लागू हो गई है। दिल्ली में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच है। हालांकि कांग्रेस भी पूरी ताकत के साथ इस चुनाव में उतरने जा रही है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और नए सदन के गठन के लिए उससे पहले चुनाव होने हैं। दिल्ली में पारंपरिक रूप से एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होते रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रही सत्तारूढ़ आप की नजर हैट्रिक पर होगी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने 2015 और 2020 के चुनावों में क्रमशः 67 और 62 सीटों के साथ जीत हासिल की। पिछले दो चुनावों में केवल एक अंक तक सिमट गई भाजपा 26 साल के अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। कभी 15 साल तक दिल्ली पर शासन करने वाली कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए ।।च के साथ गठबंधन करने के बाद अकेले चुनाव लड़ेगी। 2025 के पहले चुनाव को तीनों पार्टियों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले साल, केजरीवाल ने शराब नीति मामले में जमानत के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि जब दिल्ली के लोग उन पर भरोसा जताएंगे तो वह दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। इस बार, पार्टी सत्ता विरोधी लहर और अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए महिलाओं और बुजुर्गों को लक्ष्य करते हुए कई कल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा कर रही है।

दिल्ली में चुनावी तारीखों के ऐलान पर बोले केजरीवाल

इस बार काम और गाली गलौज की राजनीति के बीच मुकाबला

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत से काम करने का आग्रह किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केजरीवाल ने कहा कि ये चुनाव काम की राजनीति और गाली–गलौज की राजनीति के बीच होंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि चुनाव की तारीख़ का एलान हो चुका है। सभी कार्यकर्ता पूरी ताक़त और जोश के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हो जाएं। आपके जुनून के आगे इनके बड़े–बड़े तंत्र फ़ेल हो जाते हैं। आप ही हमारी सबसे बड़ी ताक़त हैं। आप प्रमुख ने कहा कि ये चुनाव काम की राजनीति और गाली–गलौज की राजनीति के बीच होगा। दिल्ली की जनता का विश्वास हमारी काम की राजनीति के साथ ही होगा। हम ज़रूर जीतेंगे। मनीष सिसोदिया ने लिखा कि दिल्ली की जनता को बधाई। एक बार फिर चुनें– अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, परिवार के लिए अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था, 24 घंटे बिजली, जीरो बिजली बिल, तीर्थ यात्रा, फ्री बस यात्रा, हर महिला को सम्मान में हर महीना 2100/–, हर बुज़र्ग का मुफ्त इलाज हर पुजारी–ग्रंथी को सम्मान में प्रतिमाह 18000/–। पाँच फ़रवरी का दिन होगा, झाड़ू चुनाव चिह्न होगा। फिर लाएँगे केजरीवाल। देश की राजधानी दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा जबकि मतों की गिनती तीन दिन बाद आठ फरवरी को की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को यहां चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है।

सलमान खान के आवास की सुरक्षा बढ़ी, बालकनी में बुलेटप्रूफ ग्लास लगाया गया

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास पर सुरक्षा बढ़ाते हुए इसकी बालकनी में बुलेटप्रूफ ग्लास लगाया गया है और सड़क पर नजर रखने के लिए उच्च प्रौद्योगिकी वाली सीसीटीवी कैमरा प्रणाली भी लगाई गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बुलेटप्रूफ ग्लास लगाये जाने से अभिनेता की उस वक्त सुरक्षा सुनिश्चित होगी, जब वह अपने प्रशंसकों का अभिवादन करने के लिए गैलेक्सी अपार्टमेंट स्थित अपने फ्लैट की बालकनी में आएंगे। एक निजी ठेकेदार द्वारा यह सुरक्षा उन्नयन किया जा रहा है। खान ने उन्हें यह काम सौंपा था। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से कथित रूप से संबंध रखने वाले मोटरसाइकिल सवार दो लोगों द्वारा अप्रैल 2024 में इमारत के बाहर गोलीबारी करने के कुछ महीनों बाद यह सुरक्षा उपाय किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने के लिए इमारत के सामने एक हाई–टेक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है।

अनशन कर रहे प्रशांत किशोर की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को बिहार के पटना में मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रशांत किशोर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की दोबारा परीक्षा की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे। सूत्रों ने बताया कि बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में आमरण अनशन के दौरान किशोर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि जब

एक डॉक्टर ने किशोर को उनके घर पर देखा और अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, तो पार्टी नेता उन्हें एम्बुलेंस में पटना में एक निजी स्वास्थ्य सुविधा में ले गए। इससे पहले डॉक्टर ने कहा कि कुछ चिकित्सीय समस्याएं हैं जिनकी गहन जांच की जानी चाहिए। वह संक्रमण और निर्जलीकरण से पीड़ित हैं। वह कमजोर भी हैं और असुविधा महसूस कर रहे हैं। अस्पताल रवाना होने से पहले किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि मेरा आमरण अनशन जारी रहेगा। किशोर को सोमवार को पुलिस ने अवैध आमरण अनशन के लिए गिरफ्तार किया था। यहां की एक अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के कुछ घंटों बाद उन्हें बिना शर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया। इससे पहले, किशोर ने जमानत की शर्तों को अनुचित बताते हुए स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे किशोर को सोमवार की सुबह गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ पिछले सप्ताह दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, उन्होंने पटना उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए गांधी मैदान में आमरण अनशन किया।

परीक्षा रद्द करने याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार, हाईकोर्ट जाने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 7 जनवरी, 2025 को कथित पेपर लीक को लेकर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (प्रारंभिक) को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को राहत के लिए संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि सर्वोच्च न्यायालय प्रथम दृष्टया अदालत के रूप में काम नहीं कर सकता है, खासकर जब उच्च न्यायालय में कोई पूर्व याचिका दायर नहीं की गई हो। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह उचित और अधिक शीघ्र होगा कि याचिकाकर्ता अनुच्छेद 226 के तहत एक याचिका के माध्यम से पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाए। इसलिए हम वर्तमान रिट याचिका पर विचार करने से इनकार करते हैं। आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट द्वारा दायर याचिका में परीक्षा रद्द करने और कथित कदाचार की जांच के लिए एक विशेष जांच बोर्ड के गठन की मांग की गई है। याचिकाकर्ता के वकील अभिजीत आनंद ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में पेपर लीक के बार–बार आने वाले मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ष्यह एक दिनचर्या बन गई है, जिस तरह से पेपर लीक हो रहे हैं।ष यह विवाद 13 दिसंबर, 2024 को 900 केंद्रों पर आयोजित प्रारंभिक परीक्षाओं से उपजा है, जिसमें 5 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया था। आरोप लगे कि प्रश्न कोचिंग संस्थानों के मॉडल पेपर के समान थे, जिसके बाद जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया,

महाकुंभ मेले में आतंकियों की पहचान करेंगे स्पॉटर्स... पांच राज्यों से बुलाए गएय एटीएस और एनएसजी भी तैनात

प्रयागराज। प्रयागराज मेले के दौरान ट्रैक की निगरानी के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 500 जवानों को लगाया गया है। इतना ही नहीं, बल को आधुनिक उपकरणों से भी लैस किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे के आईजी आरपीएफ अमिय नंदन सिन्हा का कहना है कि आरपीएफ हर मोर्चे को संभालने के लिए तैयार है। अलग–अलग शिफ्ट में जवान 24 घंटे विभिन्न स्थानों पर ट्रैक की निगरानी करेंगे। इसके अलावा आरपीएफ की विशेष कोरस कंमाडो ड्रोन कैमरों और एक हजार सीसीटीवी से निगरानी करेंगे। आईजी आरपीएफ के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस कैमरों में अपराधियों व संदिग्ध आंतकियों को ट्रेस करने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण एवं भगदड़ के लिए रेलवे ने दो प्लान तैयार किए हैं। एक आंतरिक और दूसरा बाहरी। स्टेशनों पर आगजनी, बमबाजी या विस्फोट जैसी घटनाओं को रोकने लिए पहले से तैयारी चल रही है। महाकुंभ में आतंकी मंसूबों को नाकाम करने के लिए पांच राज्यों से स्पॉटर्स बुलाए गए हैं। यह पलक झपकते ही आतंकियों, कुख्यात अपराधियों के साथ ही संदिग्ध गतिविधियां करने वालों की पहचान कर सकेंगे। मेले में कुल 30 स्पॉटर्स की तैनाती होनी है, जिनमें से 18 ने पहुंचकर सुरागरशी भी शुरू कर दी है। मेले को लेकर मिली धमकियों के मद्देनजर प्रदेश सरकार सुरक्षा को लेकर हरसंभव उपाय करने में जुटी है। यहां तक कि काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन में महारत हासिल करने वाली नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) के ब्लैककैट कमांडोज भी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा भी सुरक्षा से जुड़े हर बिंदु पर पुख्ता तैयारी की जा रही है। इसी को देखते हुए स्पॉटर्स तैनात करने का निर्णय लिया गया है। यह स्पॉटर्स जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मप्र और नॉर्थ–ईस्ट से चुलाए जाएंगे। इनमें से 18 ने मेले में पहुंचकर सुरागरशी भी शुरू कर दी है। मेला एसपी सुरक्षा असीम चौधरी ने बताया कि स्पॉटर्स पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों से संबंधित वह लोग होते हैं, जो राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर लगातार नजर रखते हैं। साथ ही समय–समय पर इसकी सूचना पुलिस को देते हैं। प्रयागराज में संगम क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर में शनिवार रात चार आतंकी घुस गए। उन्होंने मंदिर के महंत को बंधक बना लिया। इसकी सूचना मिलने पर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) व एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीसी) ने मंदिर में पहुंचकर मोर्चा संभाला। 27 मिनट तक चले ऑपरेशन में तीन आतंकी मौके पर ही ढेर कर दिए गए जबकि एक को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पता चला कि एनएसजी व एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई मेला क्षेत्र में रात में हुई पहली काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज का हिस्सा थी। रात 10:06 बजे यह एक्सरसाइज शुरू हुई। वायरलेस पर मैसेज प्रसारित हुआ कि हनुमान मंदिर में चार आतंकी घुस गए हैं और उन्होंने महंत को बंधक बना लिया है। सूचना पर कुछ ही देर में वहां एनएसजी व एटीएस के कमांडो पहुंच गए। दोनों टीमों ने सबसे पहले मंदिर परिसर को अपने घेरे में ले लिया। इसके बाद एनएसजी के जवानों की एक टीम भीतर घुसी। दूसरी ओर से एटीएस के कमांडो भी मुस्तैद हो गए। एक टीम ने सामने जबकि दूसरी टीम ने निकास द्वार की ओर से मंदिर में प्रवेश किया। भीतर पहुंचने पर चार आतंकी महंत को बंधक बनाए नजर आए। वह कुछ कर पाते, इससे पहले ही कमांडोज ने एक आतंकी को दबोच लिया। महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए हनुमान मंदिर में शनिवार रात मॉकड्रिल की गई। इसमें जवानों ने आतंकी वारदात से निपटने का पूर्वाभ्यास किया।

हेलिकॉप्टर क्रैश में शहीद सैनिक को अंतिम विदाई देने उमड़ी भीड़, रसूलाबाद घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

प्रयागराज। गुजरात के पोरबंदर पोर्ट पर हेलीकॉप्टर क्रैश में शहीद हुए प्रयागराज में

रहने वाले कमांडेंट सौरभ यादव (42) का शव मंगलवार को सेना के वाहन से गांव पहुंचा तो शहीद के अंतिम दर्शन के लिए भीड़ उमड़ गई। बड़ी संख्या में लोगों ने पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार शहीद के पैतृक गांव कौशाम्बी में किया गया। घाट पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। पूरे राजकीय सम्मान के साथ शव की अंत्येष्टि की गई। बता दें कि गुजरात के पोरबंदर पोर्ट पर हेलिकॉप्टर क्रैश में शहीद हुए इंडियन कोस्टगार्ड के तीन सैनिकों में शहर के सपूत कमांडेंट सौरभ यादव (42) भी शामिल थे। मूलरूप से कौशाम्बी निवासी शहीद का परिवार धूमनगंज के साकेत नगर का रहने वाला है। कोस्टगार्ड की टीम मंगलवार को पार्थिव शरीर लेकर पहुंची। पहुंचेगी। इसके बाद रसूलाबाद घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। शहीद के मामा गजेंद्र यादव ने बताया कि रविवार दोपहर हुए हादसे की सूचना शाम को परिजनों को मिली। बताया गया कि मेडिकल रेस्क्यू के बाद पोर्ट पर लैंड करते वक्त हुए हेलिकॉप्टर क्रैश में सौरभ के साथ मौजूद उनके दो साथियों की मौके पर ही सांसें थम गई थीं। जबकि, गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल ले जाते वक्त सौरभ भी शहीद हो गए थे। मामा ने बताया कि सौरभ के पिता ज्ञान सिंह पुलिस विभाग में वित्त नियंत्रक पद से रिटायर हुए हैं। वह मूल रूप से कौशाम्बी के कोखराज स्थित अलीगंज के रहने वाले हैं। उनकी तीन संतानों में सौरभ मझले थे और 2022 से इंडियन कोस्टगार्ड में तैनात थे। उनकी तैनाती पोरबंदर में थी। जहां वह अपनी पत्नी वासिता व दो बच्चों छह वर्षीय बेटी टीका व तीन साल के बेटे बाली के साथ रहते थे। उन्होंने बताया कि सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद पोरबंदर में ही उन्हें अंतिम सलामी दी गई। सौरभ के छोटे भाई अंकुश अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जबकि, बड़ी बहन एचबीटीआई कानपुर में तैनात हैं।

पढ़ा हुआ भूल जाते हैं, परीक्षा में अच्छे अंक कैसे आएंगे

प्रयागराज। जो भी पढ़ते हैं, भूल जाते हैं। परीक्षा में अच्छे अंक कैसे मिलेंगे? रसायन विज्ञान से डर लगता है, क्या करें? ऐसे ही कई सवालों और समस्याएं सोमवार से शुरू हुई यूपी बोर्ड की हेल्प डेस्क के सामने आईं। दिनभर टोल फ्री नंबर वाले फोन घनघनाते रहे। 37 परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों ने हेल्प डेस्क से संपर्क किया। फोन पर ही परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान किया गया। यूपी बोर्ड कार्यालय में शुरू हुई हेल्प डेस्क 12 मार्च को परीक्षा के आखिरी दिन तक सक्रिय रहेगी। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होंगी, ऐसे में परीक्षार्थियों के पास अपनी समस्याओं के समाधान के लिए डेढ़ माह का वक्त है। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह के निर्देश पर हेल्प डेस्क का संचालन अभी से इसीलिए शुरू किया गया है, ताकि परीक्षार्थियों को तैयारी में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए पर्याप्त समय मिल सके। प्रयागराज के अतुल कुशवाहा ने बताया, जो पढ़ते हैं, वह भूल जाते हैं। काउंसलर ने उन्हें सलाह दी कि प्रश्न के उत्तर को बार–बार लिखकर याद करें। मैनपुरी की 12वीं की छात्रा दीक्षा ने कहा, 'रसायन विज्ञान में बहुत डर लगता है, क्या करें?'। जवाब मिला कि नर्वस न हों और अपने शिक्षक से मिलें। उन्हें अपनी समस्याएं बताएं, वह मदद करेंगे। दीक्षा ने काउंसर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपसे बात करके मन हल्का हो गया। अब लग रहा है कि तैयारी अच्छे से हो जाएगी। औरैया से पीयूष ने पूछा कि परीक्षा में अच्छे अंक कैसे लाएं। जवाब मिला कि लिखकर याद करें और की–प्वाइंट जरूर बनाएं। मेरठ से जुनैद का सवाल था कि क्या इस बार प्रश्न सिलेबस के बाहर से पूछे जाएंगे। बताया गया कि ऐसा नहीं होगा, प्रश्न सिलेबस से ही आएंगे। गोरखपुर से 12वीं के छात्र प्रवीण ने बताया, हाईस्कूल के सर्टिफिकेट में पिता का नाम गलत दर्ज हो गया है। उन्हें बताया गया कि क्षेत्रीय कार्यालय में संपर्क करें। ज्यादातर विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी विषय की तैयारी के संबंध में बोर्ड की वेबसाइट नचउेच.मकन.पद पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महाकुंभ में डुबकी लगाएंगी अरबपति महिलाएं, लश्रेन पश्वेल जॉब्स कल्पवास, तो सुधामूर्ति करेंगी प्रवास

प्रयागराज। दुनिया की चकाचौंध में संगम की रेती की महिमा किस तरह फैलने जा रही है, इसकी बानगी महाकुंभ में दिखेगी। इस महाकुंभ में सिर पर गठरी और हाथ में झोला लेकर पांटून पुलों पर धक्का खाने वाली खांटी गंवई अंदाज वाली घूंघट की ओट से झांकने वाली महिलाएं ही नहीं, दुनिया को चलाने वाली कई अरबपति महिलाएं भी संगम की रेती पर कल्पवास करेंगी। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ में दुनिया की जिन अरबपति महिलाओं के ठहरने के लिए संगम की रेती पर महाराजा डीलक्स के अलावा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉटेज लगाए जा रहे हैं, उनमें एप्पल की मालकिन लॉरेन पॉवेल जॉब्स भी शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, पीट बटिगिग और कमला हैरिस जैसी हस्तियों के राजनीतिक–सामाजिक अभियानों में हिस्सा ले चुकीं एप्पल की मालकिन लॉरेन पॉवेल जॉब्स पौष पूर्णिमा पर प्रथम डुबकी के साथ संगम की रेती पर कल्पवास भी करेंगी। लॉरेन महाकुंभ के शुभारंभ के दिन आएंगी। उनके ठहरने की व्यवस्था निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद के शिविर में की गई है। वह 29 जनवरी तक उनके शिविर में रहकर सनातन धर्म को समझेंगी। वह कैलाशानंद के शिविर में 19 जनवरी से शुरू हो रही कथा की पहली यजमान भी होंगी। लॉरेन पॉवेल जॉब्स एप्पल के सह संस्थापक स्टीव जॉब्स के निधन के बाद विरासत में मिली 25 बिलियन डॉलर की संपत्ति के मालकिन हैं। इनके अलावा इंफोसिस फाउंडेशन के संस्थापक नारायण मूर्ति की अरबपति पत्नी विख्यात समाजसेविका सुधामूर्ति भी महाकुंभ में डुबकी लगाएंगी। सुधामूर्ति के लिए उल्टा किला के पास कॉटेज तैयार किया जा रहा है। वह भी रेती पर प्रवास कर महाकुंभ की संस्कृति को समझेंगी। इनके अलावा ओपी जिंदल समूह की चेयरपर्सन रहीं सावित्री देवी जिंदल भी महाकुंभ में आ रही हैं। इन महिलाओं के लिए स्वामी अवधेशानंद और चिदानंद मुनि के शिविरों में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। महाकुंभ में विख्यात सिने तारिका और सांसद हेमामालिनी भी डुबकी लगाएंगी। हेमामालिनी जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के शिविर में प्रवास करेंगी। वह संगम में डुबकी भी लगाएंगी।

यूपीपीएससी की परीक्षाओं के लिए 19 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन, 20 लाख पहुंचने की उम्मीद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की परीक्षाओं में शामिल होने के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) कराने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 19 लाख से ऊपर पहुंच गई है। सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा–2024 के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने के कारण ओटीआर की संख्या तेजी से बढ़ी है। यूपीपीएससी की किसी भी परीक्षा में आवेदन के लिए ओटीआर अनिवार्य है। ओटीआर नंबर प्राप्त किए बिना अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाते हैं। सहायक अभियंता के 604 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू होने से पहले ओटीआर की संख्या 18.86 लाख के आसपास थी, जो अब बढ़कर 19 लाख सात हजार 41 तक पहुंच गई है। सहायक अभियंता भर्ती लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद तकरीबन 21 हजार नए अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। आयोग ने 17 दिसंबर 2024 को सहायक अभियंता भर्ती का विज्ञापन जारी किया था और उसी दिन से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी लेकिन संभावित विज्ञापन की सूचना आयोग ने पहले ही जारी कर दी थी। ऐसे में हजारों अभ्यर्थी आवेदन शुरू होने से पहले ही ओटीआर करा चुके थे। आवेदन की अंतिम तिथि 17 जनवरी 2025 है। ऐसे में ओटीआर की संख्या अभी और तेजी से बढ़ेगी। यह संख्या 20 लाख से आसपास पहुंचने की उम्मीद है। आयोग वर्ष 2025 की भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करने की तैयारी भी कर रहा है, जिसमें एलटी ग्रेड शिक्षक, प्रवक्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, खंड शिक्षा अधिकारी समेत कई नई भर्तियां शामिल की जा सकतीं हैं।

गंगा पर हेतापट्टी से दारागंज के बीच पुल पर कैबिनेट में लग सकती है मुहर

प्रयागराज। मेला क्षेत्र में 16 या 21 जनवरी को संभावित कैबिनेट की बैठक में गंगा पर दारागंज से हेतापट्टी तक पुल के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद सेतु निगम इसका प्रस्ताव तैयार कर रहा है। कुंभ–2019 के दौरान प्रयागराज में कैबिनेट की बैठक में गंगा एक्सप्रेसवे के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। महाकुंभ–2025 में भी कैबिनेट की बैठक प्रस्तावित है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अन्य मंत्रियों संग संगम में स्नान भी करेंगे। इस पर सहमति के साथ बैठक पर आने खर्च को भी मंजूरी दे दी गई है। बैठक 16 जनवरी को संभावित है, हालांकि 14 के साथ 15 जनवरी को भी मकर संक्रांति स्नान की भीड़ रहेगी। इसके अलावा आमतौर पर मंगलवार को कैबिनेट की बैठक होती है। ऐसे में दो प्रमुख स्नान पर्वों मकर संक्रांति तथा मौनी अमावस्या के बीच 21 जनवरी को मंगलवार पड़ रहा है, जिस दिन अपेक्षाकृत कम भीड़ होगी। ऐसे में 21 जनवरी को भी बैठक की संभावना जताई जा रही है। मेला प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। बैठक के एजेंडे पर निर्णय तो शासन के स्तर पर लिया जाएगा, लेकिन मेला प्रशासन तथा स्थानीय नेताओं की ओर से इस पर मंथन शुरू हो गया है। गंगा नदी पर दारागंज से हेतापट्टी के बीच पुल की मांग को मुख्यमंत्री ने सहमति दे दी है। यह कार्य सूची भी शामिल हो चुका है। करीब 750 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पुल का प्रस्ताव सेतु निगम तैयार कर रहा है। माना जा रहा है कि कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी मिल जाए। शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी का भी कहना है कि जल्द ही वह मुख्यमंत्री से मिलेंगे। मेले में होने वाली कैबिनेट की बैठक में पुल का प्रस्ताव रखने की मांग करेंगे। बैठक के कई अन्य प्रस्तावों पर भी मंथन जारी है। यमुना नदी पर बोट क्लब से अरैल के बीच प्रतीकात्मक राम सेतु का निर्माण कराया जाएगा। इस पर सिर्फ पैदल चला सकेगा। महापौर ने शासन में इसका प्रस्ताव रखा गया है। मेले में होने वाली कैबिनेट की बैठक में भी इसका प्रस्ताव रखने की तैयारी है। महापौर गणेश केसरवानी का कहना है कि भगवान राम ने यमुनाजी को भी पार किया था, साथ में स्नान किया था। इसलिए यहां राम सेतु का प्रतिरूप बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसे मुख्यमंत्री की भी सहमति मिल गई है। जल्द ही सेतु निगम से इसका विस्तृत प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा। कोशिश है कि मेले में होने वाली कैबिनेट की बैठक में ही इसका प्रस्ताव रखा जाए। इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा।

हाईकोर्ट गेट नंबर तीन के पास लगी आग, फौरन पहुंची फायरब्रिगेड की टीम, गाड़ी जाम में फंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के गेट नंबर तीन पर आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। हालांकि पहुंचने पर पता चला कि यह मॉक ड्रिल का हिस्सा था। मंगलवार को फायर ब्रिगेड को सूचना मिली की हाईकोर्ट के गेट नंबर तीन के पास आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम कुछ ही मिनट में मौके पर पहुंच गई। हालांकि लौटते समय गाड़ी जाम में फंस गई। फायर ब्रिगेड के जवानों ने सड़क बेतरतीब तरीके से खड़ी कार को उठाकर एक किनारे किया। इसके बाद दमकल की गाड़ी बाहर निकल सकी। जाम के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

शहर में नौ स्थानों पर बनाए गए बंकर, सशस्त्र जवानों की तैनाती

प्रयागराज। महाकुंभ के मद्देनजर सोमवार से शहर में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। इसके तहत शहर में नौ स्थानों पर बंकर बनाकर सशस्त्र जवानों की तैनाती की गई है। इनमें शहर के इंट्री प्वाइंटों के साथ सुरक्षा की दृष्टि से चिह्नित संवेदनशील स्थान शामिल हैं। इसके साथ ही कई प्वाइंटों पर वज्र वाहन के साथ पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। महाकुंभ मेले की शुरुआत होने में अब सिर्फ पांच दिन शेष रह गए हैं। इसे देखते हुए मेला क्षेत्र के साथ अब शहर में भी सुरक्षा इंतजाम सख्त कर दिए गए हैं। सोमवार को शहर में अलग–अलग स्थानों पर बंकर बनवाए गए। इन बंकरों में अत्याधुनिक हथियारों से लैस जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों पर यह बंकर बनवाए गए हैं। इनमें से दो बंकर मेला क्षेत्र से सटे बांगड़ चौराहे व जीटी जवाहर चौराहे पर बनाए गए हैं। इसके अलावा बालसन चौराहा, महिला ग्राम, स्टैनली रोड, मंदर मोड़ के अलावा तीन अन्य स्थानों पर भी बंकर बनाकर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

पत्नी के आत्मसम्मान व गरिमा को चोट पहुंचाती है जबरन वेश्यावृत्ति, पति की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नवविवाहिता पत्नी को दोस्तों संग संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के आरोपी पति को जमानत देने से इन्कार कर दिया। कहा कि यह महज दंपती के बीच साधारण वैवाहिक विवाद नहीं, बल्कि एक पत्नी के

आत्मसम्मान और गरिमा को चोट पहुंचाने वाला मामला है। पीड़िता शारीरिक चोट के साथ ही ऐसे दर्दनाक अनुभव बर्दाश्त करती है, जो आजीवन उसकी आत्मा को कचोटता रहेगा। लिहाजा, आरोपी को जमानत नहीं दे सकते। की। मामला अलीगढ़ के कवारसी थाना क्षेत्र का है। पीड़िता की मां ने 17 जून 2024 को अपने दामाद सलमान के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, सामूहिक दुष्कर्म कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई। तहरीर में बताया कि बेटी का निकाह फरवरी 2024 में किया था। निकाह के बाद पता चला कि दामाद वेश्यावृत्ति जैसी अवैध गतिविधियों से जुड़ा है। निकाह के बाद दामाद ने कभी बेटी से मिलने नहीं दिया। खोजबीन के बाद मिली बेटी ने बताया कि पति ने उसे जबरन वेश्यावृत्ति में धकेल दिया है। अपने दोस्तों को घर बुलाकर उनसे जबरन संबंध बनाने के लिए उसे मजबूर करता है। पीड़िता ने अपने कलमबंद बयान में घटना की पुष्टि कर पति व उसके दोस्तों पर नशीली दवा खिलाने का भी आरोप लगाया। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने अगस्त में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सत्र न्यायालय से जमानत खारिज होने के बाद आरोपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। आरोपी के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है। हलांकि, कोर्ट ने सख्त टिप्पणी के साथ पति की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

महाकुंभ में तैयार हो रहे विदेशी संतों के लिए पांच सितारा सुविधा वाले टेंट

प्रयागराज। महाकुंभ में पांच सितारा होटल सरीखे सुविधाओं वाले टेंट तैयार किए जा रहे हैं। एक महीने से अधिक समय से मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कारीगर लक्जरी कॉटेज को तैयार करने में जुटे हैं। महाकुंभ के सेक्टर नंबर 18 में ब्रह्मलीन पायलट बाबा के शिविर में रूस, यूक्रेन, जर्मनी, अमेरिका सहित कई देशों के संतों के रहने के लिए सर्व सुविधा संपन्न लक्जरी कॉटेज का निर्माण किया जा रहा रहा है। पूरा कार्य महंगे प्लाई वुड और लोहे की प्लेट और एंगल के माध्यम से किया जा रहा है। गंगा की रेती पर बनने वाले इन कॉटेज और पंडाल में मिट्टी और रेत का नामो निशान नहीं दिखेगा। मुख्य द्वार पर भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। पंडाल के बीच में हवन, पूजन और ध्यान लगाने के लिए मंडप का निर्माण किया जा रहा है। व्यवस्था की देखरेख कर रहे खप्पर बाबा ने बताया कि पहले स्नान पर्व के पहले सारे कॉटेज और टेंट तैयार कर लिए जाएंगे। 10 जनवरी के पहले सभी विदेशी संत कैंप में पहुंच जाएंगे।

नौ माह में 750 किमी. पैदल चलकर संगम की रेती पर जप-तप करने पहुंचे विष्णु गिरि

प्रयागराज। प्रयाग क्षेत्र में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों का ही संगम नहीं होता है, बल्कि देश के कोने–कोने से आए लोगों और उनकी संस्कृतियों का भी संगम होता है। संगम की रेती पर देश–विदेश से आए संत–महात्मा, जन कल्याण के

लिए तरह–तरह के संकल्प लेते हैं। इन्हीं में से एक हैं नेपाल के विष्णु गिरी महाराज, जो महाकुंभ के लिए 750 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर प्रयागराज पहुंचे हैं। यह यात्रा उन्होंने करीब नौ माह में पूरी की है। विष्णु गिरी महाराज, नेपाल के मुक्तिनाथ गोरखा जिले के रहने वाले हैं। वह निरंजनी अखाड़े के संत हैं। उन्होंने बताया कि एक साल पहले उन्होंने महाकुंभ के समय प्रयागराज पैदल यात्रा का संकल्प लिया था। फिर एक अप्रैल 2024 से उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की थी। इस बीच वह चलते–चलते रास्ता भूलकर शिमला पहुंच गए थे। जब उन्हें इसका पता चला तो फिर से यूपी का रुख किया। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान कई बार वो हादसे का शिकार होने से भी बचे। इसके अलावा भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। यहां तक उन्हें पहुंचने में करीब नौ महीने का समय लगा और इस बीच उन्होंने करीब 750 किमी. की दूरी पैदल तय की। उन्होंने कहा कि संगम स्नान के बाद साथी थकावट दूर हो गई। उसके बाद निरंजनी अखाड़े जाकर साथी संतों से मिले। उनका कहना है कि यदि आप किसी कार्य के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, तो सारी कठिनाई आसान लगने लगती है।

महाकुंभ में सबसे ज्यादा शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी एलाइंस एयर

प्रयागराज। महाकुंभ के मौके पर विमानन कंपनी एलाइंस एयर की सबसे ज्यादा शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू होगी। कंपनी ने जिन उड़ानों को शुरू करने की घोषणा की गई है, उसमें से अधिकतर में 80 फीसदी से ज्यादा बुकिंग हो चुकी है।

एलाइंस एयर के साथ अन्य कंपनियां भी कुछ अन्य शहरों के लिए प्रयागराज से सीधी फ्लाइट की घोषणा कर सकती हैं। एलाइंस एयर ने अब तक नौ शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का शेड्यूल जारी किया है। प्रयागराज से जयपुर, इंदौर और कोलकाता सहित अन्य की 80 फीसदी से ज्यादा बुकिंग होने से कंपनी इन शहरों के लिए अतिरिक्त फ्लाइट चलाने की तैयारी कर रही है। इंदौर के लिए एक और सीधी फ्लाइट शुरू करने की तैयारी हो रही है। एलाइंस एयर 10 जनवरी से महाकुंभ के लिए अतिरिक्त उड़ान शुरू करेगी। वर्तमान में कंपनी की प्रयागराज से बिलासपुर और दिल्ली के लिए ही सीधी उड़ान है। 10 जनवरी से दिल्ली, बिलासपुर के साथ जयपुर, इंदौर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, देहरादून, चंडीगढ़ और कोलकाता के लिए भी सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है।

'राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजभाषा कर्मियों को किया गया सम्मानित।'

'इसरो, बेंगलुरु के महाप्रबंधक श्री रामचंद्र हेब्बार एवं अनुवाद अधिकारी श्री राधेश्याम यादव को 'राजभाषा शील्ड' एवं 'प्रशस्ति पत्र' से पुरस्त किया गया।'

'मैसूर, कर्नाटक (शहर समता प्रतिनिधि)' एल राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 04.01.2025 को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (के.एस.ओ.यू.), मैसूर के दीक्षांत समारोह हॉल में दक्षिण एवं दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में, वर्ष 2023–24 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दक्षिण एवं दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं लक्षद्वीप) में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के 32 पदाधिकारियों, राजभाषा कर्मियों को बिहार के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के करकमलों से पुरस्कार प्रदान किया गया। क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र–दक्षिण, इसरो, बेंगलुरु को दक्षिण क्षेत्र के केंद्रीय सरकारी कार्यालयों की श्रेणी में उत्तम राजभाषा कार्यान्वयन के लिए वहाँ के महाप्रबंधक श्री रामचंद्र हेब्बार एवं अनुवाद अधिकारी श्री राधेश्याम यादव को 'राजभाषा शील्ड' एवं 'प्रशस्ति पत्र' से पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल माननीय श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारतीय भाषाएं भारत की समृद्ध संस्कृति की संवाहक और संरक्षक हैं। देश की विविधतापूर्ण संस्कृति को समझने के लिए विविध भारतीय भाषाओं को सीखना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाषा कोई विवाद का विषय नहीं हैं, भाषाएं लोगों की सभ्यता का प्रतिनिधित्व करती हैं, लोगों को भाषा सीखने से परहेज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अंग्रेजी सहित किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन हमारे देश में भाषाओं की इतनी समृद्ध धरोहर और जीवंत विविधता है तो हम लोगों को विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों में परस्पर संवाद और संचार के लिए विदेशी भाषा अंग्रेजी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। जब विभिन्न भाषाओं को सीखने का अवसर मिले, हमें संवाद के लिए स्वदेशी भाषाओं– बोलियों को सीखने और बोलने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता सबसे पुरानी जीवंत सभ्यता है जिसकी ज्ञान सभ्यता के रूप में गौरवशाली पहचान हैं। भारत की समृद्ध ज्ञान संस्कृति के संरक्षण–संवर्धन के लिए सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर संवाद के लिए हिंदी का समुचित विकास किया जाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने हिंदी के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली दक्षिण भारत की विभूतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाषा देशवासियों को जोड़ने के लिए एक कड़ी के रूप में काम करती है। हिंदी के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए भारतीय

भाषा अनुभाग की स्थापना की गई है। मैसूर के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में ही आम लोगों की बोली–भाषा में इतनी विविधता है तो देश की भाषाई विविधता की कल्पना ही की जा सकती है। उन्होंने बताया कि भाषाओं की विविधता देश की सबसे बड़ी धरोहर एवं ताकत है। कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति शरणप्पा वी हाल्से, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एम. कृष्णन और पंजाब नेशनल बैंक के कार्यकारी निदेशक विनोद कुमार ने उपस्थितों को संबोधित किया।

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी मंच की अध्यक्षा नीता शर्मा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की में बतौर मुख्य अतिथि डॉ ऊषा सक्सेना, मध्य प्रदेश से, अति विशिष्ट अतिथि ब्रजबाला गुप्ता, मध्य प्रदेश से और विशिष्ट अतिथि राम अवतार पारीक, शिलांग से जुड़े। यह काव्य गोष्ठी 04 जनवरी, रविवार को शाम 7 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक गूगल मीट पर ऑनलाइन चली। जिसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर रीमा जोशी द्वारा गणेश वंदना और सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ किया गया। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन मल्लिका दे विष्णु ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, दया शर्मा, नीता शर्मा, सुनीता भट्ट, राम पारीक, मल्लिका दे विष्णु, शबरी सरकार और रीमा जोशी ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं और सार्थक प्रतिक्रिया द्वारा सबका मन मोह लिया। अध्यक्षा नीता शर्मा ने भी सभी कलमकारों की रचनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया द्वारा सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में सुनीता भट्ट गोजा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

कम्बल पाकर खिले चेहरे

प्रतापगढ़! राष्ट्रीय युवा संघ लच्छी पुर रानीगंज की युवा टोली विगत कुछ वर्षों से ठंड में कम्बल वितरण करती है इसी क्रम में आज राष्ट्रीय युवा संघ के अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ कैम्प लगाकर कम्बल बाँटा संघ के उपाध्यक्ष सौरभ गुप्ता ने अंकित पांडेय व सत्यम सिंह के साथ कई दिन मेहनत करके समाज मे पात्र व्यक्तियों व महिलाओं की सूची बनाई और आज उन्हें बुलाकर राष्ट्रीय युवा संघ के बैनर तले कम्बल प्रदान किया इस अवसर पर संघ के सक्रिय सदस्य गौरव उपाध्याय,अंकित पांडे, अतुल पांडे,आकाश गुप्ता, बृजेश त्रिपाठी,आदर्श वैश्य, शिवम पांडे, विकास पांडे,नवाब खान, अतुल तिवारी,सत्यम यादव एवं सत्यम सिंह जी की उपस्थिति रही कम्बल वितरण के लिए संघ के कार्यकर्ता किसी सरकारी या गैरसरकारी संस्था का सहयोग नहीं लेते बल्कि स्वयं अपने दैनिक खर्चों को घटाकर धीरे धीरे धन एकट्ठा करते हैं और एकत्र धन से समाज के लिए कुछ न कुछ योगदान करते रहते हैं

मानधाता के पूरे लाल ग्राम पंचायत में लोकपाल की ग्राम चौपाल 8 जनवरी को

प्रतापगढ़। मानधाता के पूरे लाल ग्राम पंचायत में लोकपाल समाज शेखर की ग्राम चौपाल पंचायत भवन पर 8 जनवरी को होगी। चौपाल में ग्राम में मनरेगा सहित ग्राम विकास योजना में भ्रष्टाचार के शिकायतों पर चर्चा करके सभी के भागीदारी से समुचित निस्तारण किया जायेगा। ज्ञातव्य हो की गत कई माह से विभिन्न शिकायते ग्राम पंचायत के विरुद्ध लोकपाल सहित उच्च अधिकारियों को निरंतर प्राप्त हो रही थी। जिसके निस्तारण हेतु लोकपाल ने ग्राम स्तरीय अधिकारियों व शिकायतकर्ताओ को सुनने के बाद स्थलीय औचक निरीक्षण भी किया। तदोपरांत उन्होंने खंड विकास अधिकारी व ग्राम पंचायत को 8 जनवरी को ग्राम चौपाल लगा कर लोकपाल की उपस्थिति में समुचित निस्तारण का निर्देश दिया है। जिसमे ग्राम के समस्त नागरिको, मजदूरों व मनरेगा तथा ग्राम्य स्तरीय कर्मियों को आमन्त्रित करने को सचिव ओम प्रकाश को कहा गया है। साथ ही शिकायतकर्ता तथा मनरेगा निगरानी समिति के सदस्यों को भी सहभागिता हेतु सूचित किया गया है। लोकपाल समाज शेखर ने कहा है की ग्राम में ग्राम्य विकास की योजना के संदर्भ में जनसुनवाई व संवाद कर समस्याओ का स्थलीय निस्तारण होगा।

महाकुंभ में स्नान कर पुण्य अर्जित करें- प्रमोद गर्ग (समाजसेवी)

प्रयागराज कुंभ में आयोजित 23 जनवरी को आयोजित होने वाली धर्म संसद कृष्ण जन्मभूमि मुक्तिके लिए अहम : दिनेश शर्मा फलहारी

मथुरा।प्रयाग राज महाकुंभ को लेकर चलाये जा रहे जन जागरण अभियान के तहत प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे द्वारा शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि महाकुंभ में प्रत्येक सनातनी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पुन्य लाभ प्राप्त करें इसके लिए मथुरा से निशुल्क प्रत्येक दिन बस सेवा प्रारंभ की गई है आप उसका लाभ ले हिंदूवादी दिनेश शर्मा फलहारी ने कहा की प्रमोद गर्ग जी द्वाराध सेवा के अनेक प्रकल्प बृजवासी

जनता के लिए प्रदान किए गए हैं। इसी श्रृंखला में कुंभ के लिए निशुल्क बस सेवा प्रारंभ करना एक पुण्य कार्य है। 23 जनवरी की धर्म संसद मैं प्रख्यात धर्माचार्य , संत भाग लेंगे तथा राष्ट्रीय राजनीति में दखल रखने वाले हिंदुत्व की विचार धारा के नेताओं का आगमन होगा। दिव्य शक्ति अखाड़ा के महामंत्री राजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष ठा नरेश सिंह, विश्व हिंदू परिषद नेता जयराम शर्मा, ने संयुक्त संबोधन में सनातन एकता पर बल देते हुए कहा कि धर्म योद्धा दिनेश शर्मा, सनातनी हिंदुओं की लड़ाई शीर्ष पटल पर लड़ रहे हैं। प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य बनता है, इस धर्म युद्ध में उनका साथ दें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रणवीर सिंह बघेल, राहुल गौतम, मोहनदास बाबा, रामदेव यादव, आदि उपस्थित थे

नगर निगम अधिकारियों ने की जनसुनवाई

मथुरा। मंगलवार को नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा जनरलगंज स्थित नगर निगम सभागार में एवं वृंदावन में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक द्वारा प्रातः 10 बजे से जनसुनवाई की गयी।

जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध यक्ष उपस्थित रहे। जनसुनवाई में नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायतकर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर मौके पर उपस्थित सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम मथुरा वृन्दावन में कुल 15 शिकायत प्राप्त हुईं, जिसमें आठ शिकायतों का निस्तारण टीम को भेजकर तत्काल करा दिया गया शेष लंबित सात शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त हुयी शिकायत का निस्तारण निधार्रित समय सीमा के अन्तर्गत कराया जाये। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त रामजी लाल, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, महाप्रबंधक जल मो. अनवर ख्वाजा, गोपाल गर्ग, मोहम्मद रिजवान अहमद अधिशासी अभियंता सिविल, नरेंद्र यादव मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एवं आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ट्रेन से चोरी हुई पीएसओ की सरकारी पिस्टल, मैगजीन बरामद

–मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री के पीएसओ की चोरी हुई थी पिस्टल

मथुरा। मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री के पीएसओ की चोरी हुई पिस्टल को थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन पुलिस टीम ने बरामद किया है। 30 दिसंबर 2024 को मंत्री लोक निर्माण विभाग मध्य प्रदेश सरकार के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर ओमकार सिंह ट्रेन नंबर 12192 श्रीधाम एक्सप्रेस के कोच ए–2 सीट नंबर 21 पर भोपाल से नई दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। जब ट्रेन 31 दिसम्बर 2024 समय करीब 10 बजे रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन के आस पास थी उसी समय पीएसओ ओमकार सिंह अपना पिठ्ठू बैग सीट के नीचे छोड़कर वॉसरूम गये, वापस आने के बाद देखा कि पिठ्ठू बैग जिसमें रखी एक सरकारी पिस्टल नौ एमएम एक मैगजीन जिसमें 10 कारतूस 9 एमएम, एक जोडी सफारी शूट व एक जोडी कोट पैन्ट व एक लैदर चाबी का गुच्छा था सीट के नीचे नहीं मिला। पीएसओ ओमकार सिंह द्वारा 31 दिसम्बर 2024 को थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन उपस्थित आकर एक लिखित तहरीर दी गयी। जिसके आधार पर धारा 305(सी) बीएनएस 2023 अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन को दी गई। प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन यादराम सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज एवं संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु की चेकिंग एवं भारी भरसक प्रयास तथा सूझबूझ के फलस्वरूप सरकारी पिस्टल व अन्य सामान चोरी करने वाले अभियुक्ता माइकल राज पुत्र स्व. सैमसन निवासी तिरची हनुमान मन्दिर के पास थाना विलियम पुरम जिला चेन्नई हाल पता हरि जाटव का किराये का मकान जयसिंहपुरा पुष्पविहार कालोनी थाना गोविन्दनगर मथुरा जिला मथुरा को रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन के गेट नम्बर एक पर पीपल के पेड़ के नीचे से पांच जनवरी को गिरफ्तार किया गया। माइकल के कब्जे से एक पिठ्ठू बैग में रखी एक सरकारी पिस्टल 9 एमएम, एक मैगजीन जिसमें 10 कारतूस 9 एमएम, एक जोडी सफारी शूट व एक जोडी कोट पैन्ट आदि बरामद किये हैं।

व्यक्ति ने कलेक्ट्रेट पर किया आत्मदाह का प्रयास

–पारिवारिक विवाद में न्याय की कर रहा मांग, प्रशासन ने कहा पिता से कर रहे बात

मथुरा। मंगलवार को डीएम ऑफिस पर एक फरियादी ने आत्मदाह का प्रयास किया। फरियादी पिता द्वारा संपत्ति न देने से नाराज था। फरियादी ने प्रशासनिक अधिकारियों से न्याय दिलाने की मांग की। इस मामले में जिलाधिकारी ने कहा पिता को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को मांट थाना क्षेत्र के नसीटी गांव का रहने वाला देवेंद्र भारद्वाज डीएम ऑफिस पहुंचा। जहां उसने कलेक्ट्रेट स्थित डीएम ऑफिस के बाहर अपने ऊपर पैट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। देवेंद्र के पैट्रोल डालते देख, वहां मौजूद पुलिस कर्मी उसको पकड़ने के लिए दौड़ पड़े और आत्मदाह करने से पहले ही उसे पकड़ लिया। पिता द्वारा संपत्ति न देने पर नाराज था। देवेंद्र की गांव में पैतृक संपति है। चार भाइयों में से एक देवेंद्र उस संपत्ति में से हिस्सा चाहता है लेकिन देवेंद्र के पिता ने तीन भाइयों को संपत्ति दे दी है। जबकि देवेंद्र को संपत्ति नहीं दी। पिता द्वारा संपत्ति न देने से आहत हुए देवेंद्र ने इसकी शिकायत एसडीए मांट से की। लेकिन समस्या का निस्तारण न होने से वह डीएम ऑफिस पहुंच गया। देवेंद्र डीएम ऑफिस पहुंचा और वहां घूमता रहा। इसके कुछ देर बाद उसने अपने साथ लाए बैग में से पैट्रोल की बोतल निकाली और अपने ऊपर डालना शुरू कर दिया। देवेंद्र के द्वारा पैट्रोल डालते देख वहां मौजूद पुलिस कर्मी उसे पकड़ने दौड़ पड़े। देवेंद्र आत्मदाह करता उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया। देवेंद्र की शिकायत पर डीएम शैलेंद्र सिंह ने उसको आश्वासन दिया है।

देवेंद्र पहले भी शिकायत कर चुका है। उसके पिता से भी बात की गई लेकिन कुछ पारिवारिक कारणों की वजह से पिता उसे संपत्ति नहीं देना चाहता। किंतु एक बार फिर पिता से बात की जाएगी उनको समझाने का प्रयास किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्र में ढूंढ रहे टीबी के मरीज, 250 लोगों का किया एक्सरे

–टीवी मुक्त अभियान के तहत बाजना में एक्सरे शिविर लगाया गया

मथुरा। टीबी मुक्त अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें देहात क्षेत्र में टीबी के मरीज ढूंढ रही हैं। प्रचार प्रसार के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों से लोग बीमार होने के बाद भी झोलाछाप चिकित्सकों से इलाज कराते रहते हैं और सही बीमारी का उन्हें पता तक नहीं चल पाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर हेमराज की देखरेख में बाजना कस्बा के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक्सरे शिविर लगाया गया जिसमें 250 से ज्यादा लोगों के एक्सरे किये गए।रिपोर्ट में पॉजिटिव पाए जाने वाले व्यक्तियों का टीबी का इलाज निशुल्क किया जाएगा तथा निक्षय पोषण योजना के तहत मरीजो को पोषण सामग्री के साथ साथ मरीज के खाते में 6 हजार रुपये भी दिए जाएंगे। सीएचसी प्रभारी डॉ हेमराज चौधरी ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिन चलने वाले अभियान के अंतर्गत बाजना कस्बा के हेल्थ ऐंड वेलनेस सेंटर पर टीबी जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 250 से ज्यादा लोगों के एक्सरे किये गए हैं जांच रिपोर्ट आने के बाद मरीजों का इलाज और पोषण सामिग्री तथा मरीज के खाते में 6 हजार रुपये मुफ्त दिए जाएंगे।सरकार का लक्ष्य है कि देश में एक भी मरीज टीबी से पीड़ित ना रहे। शिविर में टीबी यूनिट नौहझील के टीबी सुपरवाइजर मुनीश कांत सीएचओ दिलीप कुमार सीएचओ प्रदीप एवं हितेश आदि मौजूद रहे।

– कुंभ मेला

धरम सनातन महा कुंभ हउ मंनवा उठैइ उमंग।।
हे हो उमा महा शुभ अवसर, चला नहाई गंग।।।

अब तोहंसे का करी बढ़ाई का महिमा गंगा क गाई।।
पछताये ऊ जेन पहुंचे जे पहुंचे उ अमृत पाई।।
देखतैइ बनत बा मेला अद्भुत ऋषि मुनि देवता दानी।।
दर्शन के व्याकुल अंखिया बा, संत शिरोमणि ज्ञानी।।
दृश्य देखिके आंखि खुली बा, दुनिया बाटैइ दंग।।
हे हो उमा महा शुभ अवसर चला नहाई गंग।।

तीरथ राज प्रयाग आश्रम, भरद्वाज मुनि देवा।।
स्वयं पधारे राम कुटी पर मुनिवर की ली सेवा।।
गंगा जमुना सरस्वती का, संगम परम पुनीत।।
अंचरा के फैइलाइ के गावत दुनियाँ गंगा गीत।।
लहर लहर लहराता नदिया मनवा उठैइ तरंग।।
हे हो उमा महा शुभ अवसर, चला नहाई गंग।।

स्वर्ग उतरिग बाटैइ भैइया गंगा जी के पाटे।।
सांस नाइंबा भीर लागिबा जमघट घाटे– घाटे।।
भगवा रंग भगीरथी तट पे जोगी क बलिहारी।।
गजब व्यवस्था बा सरकारी चुस्त दुरुस्तबा अब की बारी।।
किर्तन भजन करैइ सत्संगी बहैइ क गंग।।
हे हो उमा महा शुभ अवसर चला नहाई गंग।।

धर्म सनातन अद्भुत संगम विश्व विदित अलबेला।।
चर्चा देश विदेश में भारी गजब कुंभ क मेला।।
करम धरम एक्कइ जग जाहिर ओम जाप गुरु पूजा।।
उमा गिरीश के का समुझावैइ, नन्दी नाग भुजंग।।
गंगा शिव के शीश विराजैइं रोम –रोम अंग– अंग।।
हे हो उमा महा शुभ अवसर चला नहाई गंग।।

गिरीश जौनपुर

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाईजे-सिग-038-2024-25 दिनांक: 03.01.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई- निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 27.01.2025 को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल के प्रयागराज छिवकी सूबेदारगंज एवं नैनी स्टेशन पर आइपी टेलीफोन एक्सचेंज (मैसर्स अल्काटेल मेक) का कोडल लाइफ के छह वर्षों के लिए कामप्रहेन्सिव वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 18,21,310.74	बिड सिक्योरिटी (₹) : ₹ 36,400/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : ₹ 0.00	कार्य समापन की अवधि: 72 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 27.01.2025

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगें। बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप। निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरीटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरीटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरीटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 30A0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय - समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरीटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक। निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 30/25(A)

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह, डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता–पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता–पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचौट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था।इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता–पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता–पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला–बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

पत्रकार की हत्या से उठते सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

अपने पेशे के प्रति बेहद ईमानदार तथा संवेदनशील मुकेश पहली जनवरी की शाम को एक फोन आने के बाद घर से निकले तथा अगली शाम तक वे लापता रहे। चिंतित परिजनों तथा साथी पत्रकारों ने उनकी खोज–बीन शुरू की।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में कार्यरत पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की नृशंस हत्या से एक ओर तो राज्य सहित पूरा देश स्तब्ध है, तो वहीं इस घटना ने फिर से साबित कर दिया है कि भारत में पत्रकारिता एक जोखिम भरा पेशा हो गया है। अपने पेशे के प्रति बेहद ईमानदार तथा संवेदनशील मुकेश पहली जनवरी की शाम को एक फोन आने के बाद घर से निकले तथा अगली शाम तक वे लापता रहे। चिंतित परिजनों तथा साथी पत्रकारों ने उनकी खोज–बीन शुरू की। समझा जाता है कि उन्हें बीजापुर के ही एक बड़े ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर के परिवार के किसी सदस्य का उन्हें फोन आया था जो मुकेश से मिलने के इच्छुक थे। कुछ ही दिन पहले मुकेश ने अपने यूट्यूब चौनल पर सुरेश चन्द्राकर द्वारा बनवाई जा रही मिरतूर–गंगालूर सड़क में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विस्फोटक खबर चलाई थी। अनुमान लग रहे हैं कि इसके चलते मुकेश की हत्या की गयी है। उनका शव 3 जनवरी की शाम को चन्द्राकर के परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट के नीचे सेप्टिक टैंक में मिला। यह भी बताया जाता है कि पुलिस इस टैंक को तोड़ने के पक्ष में नहीं थी लेकिन अन्य पत्रकारों के जोर देने पर उसे तोड़ा गया। इस सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दुनिया भर में लड़ाइयों, गृह युद्धों, आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में पत्रकार अपना उत्तरदायित्व निभाते हुए प्राण गंवाते हैं। वैसे ही अब भारत में पूंजीपतियों व कारोबारियों के खिलाफ लिखना भी खतरनाक हो गया है। यदि ऐसे धन्ना सेठों का गठजोड़ राजनेताओं से, विशेषकर सत्ता पक्ष से है तो समझिये कि उनके खिलाफ या उनके व्यवसायिक हितों पर चोट करने वाली कोई भी खबर लिखनी या दिखानी खुद को संकट में डालने जैसा हो गया है। हाल के वर्षों में एक तरह से व्यवसायियों और नेताओं के बीच अघोषित सी संधि बनी हुई है जिसके अंतर्गत दोनों पक्ष परस्पर हितों का संरक्षण करते हैं। कारोबारी सियासतदानों को चुनाव के वक्त और जरूरी मौकों पर आर्थिक मदद देते हैं। इसके बदले में नेता यदि सत्ता में हों तो उनके व्यापार को संरक्षण देने और उनके मार्ग में आने वाले अवरोधों को खत्म करने का काम करते हैं।विपक्ष में रहकर भी राजनीतिक व्यक्ति व दल अन्य तरीकों से उनकी मदद करते हैं। इनमें प्रमुख तो यही है कि विरोधी दल उन्हें बख्श दें। यानी उनके कामों पर उंगलियां न उठायें। बहरहाल, नये भारत में, यानी 2014 के बाद से सत्ता पक्ष और अखबारनवीसी के रिश्ते भी बदले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने लोगों से संवाद के तरीकों में कुछ ऐसा परिवर्तन किया है कि उसमें मीडिया को अनिवार्यतरू सत्ता पक्ष का एक तरह से सक्रिय सहयोगी बना दिया गया है। यहां सत्ताधारी दल से तात्पर्य भारतीय जनता पार्टी से है। उसने प्रकारान्तर से मीडिया पर पूर्णतरू अधिकार सा कर लिया है। मीडिया सत्ता ही नहीं, भाजपा की भाषा बोलने में भी पारंगत हो गया है। सरकार के नजदीकी व्यवसाय समूहों ने मीडिया को खरीदकर खुद और सत्ता की सेवा के काम में लगा रखा है। स्वाभाविक है कि इसका उद्देश्य विरोध के स्वर को खत्म करना है, फिर चाहे वह सरकार का विरोध हो या फिर कारोबारियों का। मुख्यधारा का मीडिया आज ज्यादातर इन दो समूहों के एजेंडे को पूरा करने में व्यस्त है– सरकार व सत्ता पक्ष के राजनीतिक एजेंडे तथा कारोबारियों के व्यवसायिक हितों को संरक्षित और संवर्धित करने के। पूरी दुनिया की ही तरह भारत में एक समांतर मीडिया भी खड़ा हो गया है जो किसी के एजेंडे को चलाने या उस पर चलने के बजाये स्वतंत्र चेतना व विवेक रखता है, लेकिन उसे एक बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। फिर वह कोई समूह हो या पत्रकार। मुकेश पत्रकारिता की उसी धारा के तहत काम करते थे। कुछ मीडिया समूहों में काम करने के बाद उन्होंने अपना स्वतंत्र प्लेटफॉर्म बनाया तथा बस्तर के बुनियादी मुद्दों से वे जूझ रहे थे। माओवाद की भीतरी कंदराओं से लेकर विकास के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार, कारोबारियों को बचाने वाले तत्वों तथा ऐसा हर वह मसला उनकी पत्रकारिता का विषय था जिसका सरोकार आमजन से है। ग्रामीण और आदिवासी लोगों के कई मुद्दों को उठाने का उन्हें श्रेय जाता है। जाहिर है कि इसके लिये जिगर चाहिये– वह उनमें था। तभी कुछ अरसा पहले नक्सलियों द्वारा अगवा कर लिये गये एक सीआरपीएफ जवान को वे अकेले दम छुड़ा लाये थे। लेकिन भ्रष्ट तंत्र के बिछाए जाल ने उनकी जान ले ली। यह भारतीय पत्रकारिता की नयी तस्वीर है। न तो पत्रकार भ्रष्टाचारी अधिकारियों के खिलाफ कुछ लिख सकता है और न ही कारोबारियों के। शासन के खिलाफ तो बिलकुल नहीं। हालिया दौर में अनेक ऐसे शर्मनाक वाकये हुए हैं जो किसी भी लोकतांत्रिक देश का सर शर्म से झुकाने के लिये पर्याप्त हैं, जिसकी बुनियाद स्वतंत्र प्रेस होता है। ऐसा नहीं कि केवल सुदूर इलाकों में ही पत्रकारिता करना दुरूह हो गया है। ग्रामीण–आदिवासी इलाके हों या कस्बे या फिर महानगर। कहीं मध्यान्ह भोजन में भ्रष्टाचार को लेकर खबर छापने पर पत्रकार को जेल भेजा जाता है तो कभी कोई अप्रिय सवाल पूछने पर मंत्री खुलेआम पत्रकार को डांट लगाते हैं अथवा उनके मालिकों को उसकी शिकायत कर दी जाती है। हाल के वर्षों में अनेक पत्रकार सलाखों के पीछे डाले गये हैं। यही कारण है कि प्रेस की आजादी के मामले में भारत का क्रमांक विश्व रैंकिंग में शर्मनाक ढंग से काफी नीचे हो गया है। दुखद तो यह है कि सरकार ही प्रेस की स्वतंत्रता को कुचल रही है। फिलहाल मुकेश चंद्राकर मामले में पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां की हैं, सरकार ने एसआईटी गठित की है, ताकि मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच हो सके। इसके अलावा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी सरकार को पत्रकारों के साथ खड़ा बताते हुए कहा है कि जल्द ही पत्रकार सुरक्षा कानून राज्य में लाया जाएगा। यह आश्वासन तसल्ली देता है, हालांकि सही इंसाफ तभी होगा जब मुकेश के हत्यारों को सजा होगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी।

भारत में कृषि मार्केटिंग पर एक बार फिर से बवाल

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के किसान पहले से ही केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। साथ ही एमएसपी की गणना के लिए स्वामीनाथन फॉर्मूला सी250 प्रतिशत को लागू करने की मांग भी कर रहे हैं ताकि उन्हें अपनी उपज के लिए लाभकारी मूल्य मिल सके। ध्यान रहे कि सी2 उत्पादन की समस्त लागत है जिसमें उत्पादन की वास्तविक लागत, पारिवारिक श्रम, स्वामित्व वाली भूमि पर लगाया गया किराया और स्वामित्व वाली पूंजी पर ब्याज शामिल है। देश में किसानों के आंदोलन का दूसरा चरण 13 फरवरी, 2024 से शुरू हो चुका है और इसका अंत होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार आंदोलनकारी किसानों से बात करने को भी तैयार नहीं है, जबकि किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब–हरियाणा सीमा पर खनौरी में आमरण अनशन पर हैं। किसानों के आंदोलन के जारी रहने के संकेत तो मिल रहे हैं, लेकिन कृषि विपणन पर नये विवाद भी सामने आ रहे हैं। इसकी वजह कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति रूपरेखा का मसौदा है, जिसे 25 नवंबर, 2024 को केंद्रीय मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है, जिसमें हितधारकों से 15 दिनों के भीतर टिप्पणियां आमंत्रित की गयी थीं। मसौदा नीति रूपरेखा को किसान यूनियनों ने पहले ही वापस लिये गये तीन विवादास्पद कृषि कानूनों – किसान उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा समझौता अधिनियम, और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम – के लिए पिछले दरवाजे से प्रवेश का प्रयास करार दिया है। प्रतिक्रिया के लिए दी गयी सीमित समय–सीमा ने भी केंद्र की वास्तविक मंशा के बारे में किसानों के बीच संदेह पैदा करने में योगदान दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 2 जनवरी, 2025 को चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि केंद्र कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के माध्यम से निरस्त किये जा चुके कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से वापस लाने की कोशिश कर रहा है। यह उल्लेख किया जा सकता है कि केंद्र ने हाल ही में इस नयी नीति का मसौदा तैयार किया है। कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के मसौदे को खारिज करते हुए, जिसे पिछले महीने राज्य सरकारों को टिप्पणियों के लिए भेजा गया था, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार पिछले दरवाजे से ऐसे शकिसान विरोधीश कानूनों को पारित करने के केंद्र के किसी भी कदम का विरोध करेगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा, केंद्र ने अब निरस्त किये जा चुके कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। अब वे इन्हें किसी और तरीके से वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पंजाब और हरियाणा की मंडी प्रणाली बहुत मजबूत है और वे फिर से इस प्रणाली को खत्म करने की बात कर रहे हैं। हम इसका समर्थन नहीं करते हैं। कृषि राज्य का विषय है। उन्होंने मसौदे पर हमसे सुझाव मांगे हैं, लेकिन पंजाब इसे स्वीकार नहीं कर सकता... हम लिखित में भेज रहे हैं कि हम इसे स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं। मसौदा नीति किसानों की अपनी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी और एमएसपी की गणना के लिए स्वामीनाथन फार्मूले को लागू करने की मौजूदा मांग पर चुप है। हालांकि, इसमें 12 सुधारों की बात की गयी है, जिसमें निजी थोक बाजार स्थापित करने की अनुमति देना और प्रोसेसर, निर्यातकों, संगठित खुदरा विक्रेताओं और थोक खरीदारों द्वारा प्रत्यक्ष थोक खरीद की अनुमति देना शामिल है। हरियाणा और पंजाब दोनों के किसानों और उनके यूनियनों ने भी कृषि विपणन पर केंद्र की मसौदा नीति पर अपनी चिंता व्यक्त की है। कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के मसौदे के बारे में किसानों की चिंताएं लगभग वैसी ही हैं जैसी तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के संबंधा में थीं, जिन्हें मोदी सरकार ने अगस्त 2020 में भारत की संसद से पारित कराया था। संयुक्त किसान मोर्चा ने कानूनों के खिलाफ दिल्ली मार्च का आह्वान किया था और किसानों को 26 नवंबर, 2020 को दिल्ली की सीमाओं पर रोक दिया गया था, जहां वे अनिश्चितकालीन धारने पर बैठ गये थे। किसानों के आंदोलन के एक साल बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु पर्व के अवसर पर नवंबर 2021 में विवादास्पद कृषि कानूनों को एकतरफा वापस ले लिया था। दिसंबर 2021 में केंद्र की ओर से उनकी वास्तविक मांगों पर विचार करने के लिखित आश्वासन पर ऐतिहासिक किसान आंदोलन वापस ले लिया गया था। हालांकि, जब एक साल बाद भी आश्वासन पूरा नहीं होने से किसान ठगा हुआ महसूस करने लगे तो उन्होंने अगले महीनों में विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से 26 नवंबर, 2023 से आंदोलन का दूसरा चरण शुरू किया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने जनवरी 2024 में दिल्ली मार्च का आह्वान किया। उन्होंने 13 फरवरी, 2024 को पंजाब से अपना मार्च शुरू किया, लेकिन हरियाणा पुलिस ने शंभू और खनौरी सीमाओं पर उन्हें रोक दिया। तब से वे धारने पर वहीं बैठे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), जिसने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के पहले चरण का नेतृत्व किया था, जिसके बारे में उनका आरोप था कि ये कानून किसान विरोधी हैं और केंद्र सरकार कॉर्पोरेट को खेतों तक लाने का प्रयास कर रही है, ने 23 दिसंबर, 2024 को कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के मसौदे के खिलाफ भी देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। उन्होंने 500 से अधिक जिलों के जिला कलेक्टरों और मजिस्ट्रेटों के माध्यम से ज्ञापन भेजे हैं, जिनमें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से इस मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को सुगम बनाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की गयी। किसान यूनियनों का आरोप है कि नई मसौदा नीति भी किसान विरोधी, कॉरपोरेट समर्थक और कॉरपोरेट को खेती में लाने का प्रयास है। वर्तमान मसौदा नीति का वास्तविक उद्देश्य वही है जो 2020 के निरस्त किये गये तीन विवादास्पद कृषि कानूनों का था, जिसके खिलाफ एसकेएम ने ऐतिहासिक किसान आंदोलन का नेतृत्व किया था। दूसरी ओर केंद्र ने दावा किया है कि कृषि विपणन पर प्रस्तावित राष्ट्रीय नीति रूपरेखा किसानों की बेहतर आय के लिए एकीकृत कृषि बाजार की स्थापना करेगी और बाजार की दक्षता को बढ़ायेगी। फिर भी, मसौदा नीति को अन्य राज्यों द्वारा भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि इसमें जीएसटी परिषद की तर्ज पर एक सुधार समिति का प्रस्ताव है, जिसे राज्यों के बीच आम सहमति बनाने और सुधारों को अपनाने की निगरानी करने की उम्मीद है। पंजाब ने पहले ही अपनी चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि यह संघीय ढांचे को कमजोर करता है, वह भी कृषि जैसे राज्य के विषय पर, और राज्यों को राजस्व के लिए केंद्र पर अधिक निर्भर बना देगा।

भाजपा का डॉ.आम्बेडकर के बाद महिलाओं पर हमला

शकील अख्तर

दिल्ली का विधानसभा चुनाव किस घटिया स्तर पर जाएगा यह भाजपा के कालका जी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रमेश बिधुड़ी ने बता दिया। शनिवार को टिकट मिलते ही उन्होंने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी पर जो शर्मनाक टिप्पणी की वह बता रही है कि इस चुनाव में फिर भाजपा रामजादे हरामजादे और गोली मारो सालों को, के स्तर पर ले जा रही है। भाजपा उपयोग करती है मगर फिर फेंक देती है। संसद में अपशब्द कहने वाले रमेश बिधूड़ी की टिकट लोकसभा में काट दी थी, अब दिल्ली विधानसभा में दी है। ऐसे ही सोनिया गांधी माफी मांगों कहने वाली स्मृति ईरानी आज कहीं नहीं दिखतीं। चुनाव हारना कोई वजह नहीं होती। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी विधानसभा चुनाव हारे थे मगर भाजपा ने फिर भी मुख्यमंत्री बनाया। मगर स्मृति ईरानी जो दस साल तक लगातार नंबर टू नंबर थ्री कभी–कभी तो नंबर एक जैसा व्यवहार करने वाली मंत्री रहीं आज कहीं नहीं हैं। बहुत सारे नाम हैं। उमा भारती, विनय कटियार और इनकी क्या बात करें भाजपा संगठन के सबसे बड़े नेता आडवानी को एक मिनट में किनारे कर दिया गया था। मुरली मनोहर जोशी, तोगड़िया बहुत सारे नाम हैं। तो अगर लगा कि बिधूड़ी की प्रियंका गांधी के खिलाफ इस निम्नतम स्तर की टिप्पणी से भाजपा कालकाजी में मुकाबले से बाहर हो जाएगी तो उनकी उम्मीदवारी छीनी भी जा सकती है। अभी तक माना जा रहा था कि कालकाजी में मुकाबला ओपन है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार मुख्यमंत्री हैं। इसलिए टक्कर उन्हीं से होगी। लेकिन किस की होगी भाजपा की या कांग्रेस की यह संशय था। मगर अब वहां भाजपा ने जिस को टिकट दिया और अगर चुनाव तक वहीं रहा तो निश्चित रूप से ही कांग्रेस की उम्मीदवार अलका लांबा जो वहां से चुनाव लड़ने से बचना चाह रही थीं उनका फायदा हो जाएगा। भाजपा अपने आप तीसरे नंबर पर और अगर कोई और निर्दलीय या किसी और पार्टी से कोई बड़ा चेहरा आ या तो फिर और नीचे चली जाएगी। जहां से दो महिलाएं चुनाव लड़ रही हों वहां एक राष्ट्रीय महिला नेता पर इस तरह की शर्मनाक टिप्पणी करने के बाद भाजपा कुल वोटों के आधे वोटों, महिला वोटों से तो वैसे ही वंचित रह जाएगी। महिलाएं ऐसे आदमी को कैसे वोट दे सकती हैं जो महिलाओं पर ऐसी घटिया टिप्पणी करे।और यह असर केवल कालकाजी विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों पर इसका असर होगा। संभव है भाजपा रमेश बिधूड़ी की वहां से उम्मीदवारी वापस ले ले और किसी महिला को वहां से टिकट दे दे। जो भी हो रमेश बिधूड़ी की राजनीति यहां से खत्म हो जाएगी। लोकसभा में गालियां देने के बाद दुनिया भर में उन्होंने भारत की संसदीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा धूमिल कर दी थी। नतीजा भाजपा को उनका लोकसभा का टिकट काटना पड़ा। लोकसभा हारने वाले को तो विधानसभा का टिकट दिया जाता है मगर लोकसभा का टिकट गलत व्यवहार के कारण काटने वाले को विधानसभा का नहीं। भाजपा लोकनिंदा से तो डरती है। मगर अंदर खाने ऐसे लोगों को बढ़ावा देती है। इसलिए विधानसभा दे दिया। लेकिन टिकट मिलने वाले दिन ही बिधूड़ी ने फिर गुल खिला दिया। भाजपा के नेताओं को इस बात का भी डर लगता है कि दूसरी पार्टियों की महिला नेता के बारे में टिप्पणी करने की कभी प्रतिक्रिया भी हो सकती है। कोई वहां से उनके यहां के मामलों पर भी टिप्पणी कर सकता है। अभी 2024 लोकसभा चुनाव के पहले तक मोदीजी और पार्टी की स्थिति मजबूत थी। अगर कोई कुछ कहता तो उसका असर नहीं होता। व्यक्ति और पार्टी जब शिखर पर होते हैं। चढ़ता सूरज होते हैं तो आलोचनाएं चिपकती नहीं हैं। उलटे बूमरेंग कर जाती हैं। मणिशंकर अय्यर को सस्पेंड होना पड़ा था। मगर अब 240 पर रुकने के बाद मोदी जी और बीजेपी की वह आलोचनाओं से परे स्थिति नहीं है। अब अगर सवाल होंगे तो वह जवाब मांगेंगे। इसलिए बहुत संभव है कि विधानसभा लड़ने हारने से पहले ही बिधूड़ी की राजनीति खत्म हो जाए। प्रियंका गांधी के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी कांग्रेस बर्दाश्त करेगी नहीं। उसका हर कार्यकर्ता प्रियंका में उम्मीदें देखता है। अपनी वापसी के लिए उनके करिश्माई व्यक्तित्व पर कांग्रेस बहुत भरोसा कर रही है। इन पर की गई टिप्पणी को वह इस तरह नहीं लेगी कि कोई बात नहीं कहने दो। ये लोग तो इसी तरह कहते रहते हैं। खुद प्रियंका भी ऐसे घटिया बयान देने वालों को छोड़ती नहीं हैं। बिधूड़ी को वह सीधे जवाब शायद न दें मगर जिस पार्टी से वह आता है उनके नेताओं से वे जरूर जवाब मांग सकती हैं। महिला अपमान का मुद्दा बना सकती हैं। डा. आम्बेडकर के अपमान के बाद महिला अपमान का मुद्दा भाजपा को बहुत भारी पड़ेगा। आम जनता प्रियंका में इन्दिरा गांधी देखती है। और इन्दिरा के लिए आज भी गांव–गांव तक दूर दराज के इलाकों तक बहुत सम्मान है। उनकी छवि वाली प्रियंका गांधी पर ऐसी टिप्पणी किसी को भी बर्दाश्त नहीं होगी। कांग्रेस तो उबली पड़ी है। कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेताओं तक सब इस अपमानजनक टिप्पणी पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं। दूसरी तरफ कुछ लोग भाजपा के बचाव के लिए हेमा मालिनी पर लालू प्रसाद यादव की टिप्पणी को कोट कर रहे हैं। यह एक और आश्चर्य और पतनशील संस्कृति की बात है। क्या लालू यादव ने गलत किया तो भाजपा को भी यह करने का अधिकार मिल जाता है? यह सबसे वाहियत तर्क माना जाता है कि पहले भी ऐसा हुआ था। कोर्ट में यह तर्क देने वाले को जज बहुत सुनाते हैं। कि पहले भी अगर ऐसा हुआ है तो अब भी होगा इसका क्या मतलब है? पहले भी घटियापन हुआ है तो अब भी होगा? यह सिलसिला कभी रुकेगा नहीं! लालू यादव ने जब हेमा मालिनी के लिए कहा तब भी इसका विरोध हुआ था। महिलाओं के प्रति जब भी कोई असम्मानजनक बात करता है तो उसका विरोध होता है। मगर यह बात कभी नहीं होती कि पहले ऐसा हो गया है तो अब होने में कहने में क्या है? गलत तो गलत है। देश के मूल्यों को नष्ट करता है। अगर कहीं गालियां दी जाती हैं तो यह मतलब नहीं कि उसे सार्वजनिक रूप से दी जाने दी जाए। महिलाओं पर टिप्पणी किसी भी समाज के लिए गर्व की बात नहीं होती है। शर्म की ही बात होती है लेकिन हमारे यहां तो उच्चतम स्तर से ,प्रधानमंत्री के स्तर से 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड, जर्सी गाय, कांग्रेस की विधवा, सूर्पनखा, दीदी ओ दीदी जैसी जाने कितनी बातें कही गईं। तो हम फिर दोहरा रहे हैं कि वह टाइम अलग था। मोदी का चढ़ता सूरज था। कुछ भी कह कर निकल लेते थे। आज नहीं हो पाएगा। लोकसभा में बहुमत नहीं है। बहुमत के लिए 272 चाहिए। सीधे 32 कम हैं। नीतीश कुमार ने अभी इधर–उधर करके बताया। चन्द्रबाबू नायडू या कोई भी और समर्थन देने वाला देख रहा है कि कब तक उसकी पार्टी और उसके हित सुरक्षित हैं। समर्थक भाग तो नहीं रहे। अपनी कीमत पर कोई मोदी का समर्थन नहीं करेगा। चाहे आम्बेडकर के अपमान का मुद्दा हो या महिलाओं के, सब अपना हिसाब–किताब लगाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

दीपिका पादुकोण को प्रभास समेत अन्य सितारों ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण रवध्विार को अपने 39वें जन्मदिन का जश्न मना रही हैं। अभिनेत्री के खास दिन पर प्रशंसकों के साथ ही फिल्म जगत के तमाम सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर रकुल प्रीत सिंह, प्रभास समेत फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने दीपिका को बध ाई दी। साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक अपनी शानदार एक्टिंग से छाने वाले अभिनेता प्रभास ने इंस्टाग्राम पर दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, टैलेंटेड दीपिका पादुकोण को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। आपको सफलता, खुशियों के साथ कभी खत्म ना होने वाली मुस्कान मिले। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने भी दीपिका पादुकोण को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया और कैप्शन में लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीपिका! आपको प्यार, हंसी और अनगिनत खूबसूरत पलों से भरा साल मुबारक। यह खास दिन आपको वो सारी खुशियां दे जिसकी आप हकदार हैं और आने वाला साल आपके लिए पहले से भी ज्यादा शानदार हो। अपने जश्न के हर पल का आनंद लें! अभिनेत्री फिल्मी दुनिया के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में पंजाब के फेमस सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट दिल–लुमिनाटी टूर में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह अपनी बेटी के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई थीं। अभिनेत्री को एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय एक लाल रंग की ओवरसाइज्ड शर्ट में देखा गया। उन्होंने अपने लुक को बड़े सनग्लासेस के साथ पूरा किया था। अभिनेत्री ने 7 दिसंबर को बेंगलुरु में पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में उनके साथ स्टेज पर परफॉर्म किया था। एक प्रशंसक द्वारा क्लिक किए गए वीडियो में अभिनेत्री को गायक के साथ स्टेज पर सिया के साथ अपना गाना हस हस गाते हुए देखा गया था। दोनों ने दिलजीत के सिंथ–पॉप ट्रैक लवर पर भी डांस किया। दीपिका अपनी बेटी दुआ के जन्म के बाद पहली बार किसी कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। उनके लिए यह कार्यक्रम इसलिए भी खास था क्योंकि यह उनके गृहनगर में आयोजित किया गया था। पिछले साल मां बनीं दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह ने 1 नवंबर को अपनी बेटी का नाम अपने फैंस के साथ शेयर किया था। दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के पैरों की तस्वीरें शेयर की थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, दुआ पादुकोण सिंह। इसके बाद अभिनेत्री ने बेटी के नाम दुआ का मतलब बताते हुए कहा था, इसका मतलब प्रार्थना होता है, क्योंकि वह हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है। दीपिका पादुकोण के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पति रणवीर सिंह के साथ सिंघम अगेन में नजर आई थीं।

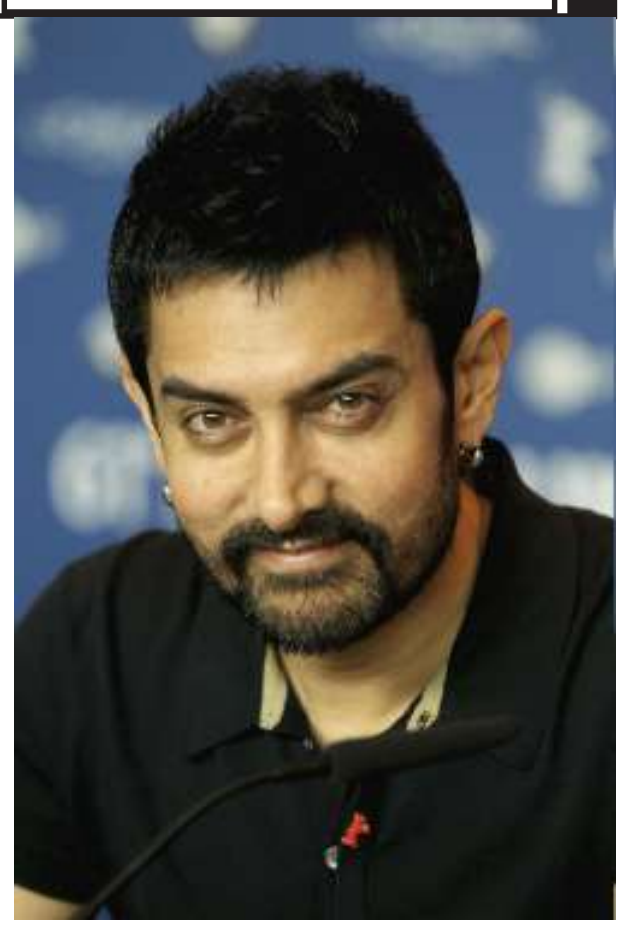

कानों में झूमके पहन थिएटर पहुंचे आमिर खान, कमेंट कर यूजर्स बोले–लड़की बनने का शौक है क्या?

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान अक्सर अपने अलग फैशन, स्टाइल को लेकर चर्चा में आ जाते हैं। हाल ही में वह अपने बेटे जुनैद खान का प्ले त्नदूंल ठतपकमे देखने के लिए मुंबई के फेमस पृथ्वी थिएटर पहुंचे। इस दौरान आमिर कानों में झुमका पहने नजर आए। उनका यह लुक अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है और यूजर्स कमेंट कर इस पर अलग–अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीडियो में आमिर अपने बेटे जुनैद के साथ थिएटर से बाहर निकलते हुए नजर आ रहे हैं। जैसे ही दोनों बाहर आते हैं, वहां पैपराजी और फैंस की भीड़ लग जाती है। इस दौरान आमिर ब्लैक सलवार, ग्रे शर्ट और कुर्ता पहने नजर आते हैं और दोनों कानों में ऑक्सिडाइज झुमका पहने दिखते हैं। आमिर का यह लुक देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स खूब मजे ले रहे हैं। एक यूजर ने आमिर के लुक को देखकर गाने झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में को याद किया, जबकि दूसरे ने कहा, ये कैसा फैशन है? कुछ यूजर्स तो इसे एक ट्रेंड मानते हुए कमेंट किया–मतलब ट्रेंड है?। एक यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, आमिर रजनीकांत की फिल्म कूलीश में विलेन का रोल कर रहे हैं? वहीं, कुछ यूजर्स ने आमिर के इस लुक पर भद्दे कमेंट्स भी किए। एक यूजर ने तो यहां तक लिखा, उन्हें लड़की बनने का शौक है क्या? काम की बातकरें तो आमिर ने साल 2022 में रिलीज हुई लाल सिंह चड्ढा फिल्म के बाद एक्टिंग से दूरी बना ली थी। हालांकि वो 2023 में श्सलाम वेंकीश में स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए थे। इस साल वो सितारे जमीन पर में दिखेंगे।

फतेह के प्रमोशन में जुटे सोनू सूद-जैकलीन, फैंस संग बिताए खास पल

अभिनेता सोनू सूद अपनी अपकमिंग फिल्म 'फतेह' की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। साइबर क्राइम और उसके खिलाफ लड़ाई पर बनी फिल्म के प्रमोशन में जुटे अभिनेता रविवार को फैंस के साथ खास पलों को बिताते नजर आए। सूद के साथ अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज भी नजर आईं। सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा, " फतेह 10 जनवरी को।"अभिनेता वीडियो में वहां जुटे फैंस से कहते नजर आए, भाई लोग आपको कैसा लग रहा है। फतेह 10 जनवरी को आ रही है, आप लोग तैयार हैं।फतेह को ड्रीम रोल बताने वाले अभिनेता फिल्म की सफलता के लिए हाल ही में उज्जैन स्थित महाकाल के दर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए मुंबई स्थित सिद्धिविनायक के दर पर मत्था भी टेका और शिर्डी के साईं बाबा के मंदिर भी जाकर दर्शन–पूजन किए। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत की थी, जहां अभिनेता ने बताया कि कैसे उनकी फिल्म 'फतेह' ने उन्हें अपने अंदर के सुपरहीरो को खोजने में मदद की। अभिनेता ने बताया कि कैसे छिपी हुई ताकत और दृढ़ संकल्प वाले एक आम आदमी की भूमिका निभाने से उन्हें व्यक्तिगत विकास के साथ आत्म–विश्वास पर एक नया नजरिया मिला। सोनू ने कहा, मुझे लगता है कि 'फतेह' मेरी ड्रीम भूमिका रही, जिसे मैं हमेशा से निभाना चाहता था। एक आम आदमी, जिसके अंदर एक सुपरहीरो है। मेरा मानना है कि हर आम आदमी के अंदर एक सुपर हीरो होता है। आपको बस उसे खोजने की जरूरत है। मुझे खुशी है कि 'फतेह' के साथ मैं खुद के उस पक्ष को खोजने में सक्षम रहा और मुझे उम्मीद है कि जब दर्शक इसे देखेंगे, तो उन्हें न केवल मनोरंजन मिलेगा, बल्कि वे प्रेरित भी होंगे। जब अभिनेता से पूछा गया कि उनके लिए 'फतेह' का क्या मतलब है, तो उन्होंने बताया था, मुझे लगता है कि जब आप किसी की उम्मीद बन सकते हैं, तो यह मायने नहीं रखता कि आप कितने अमीर, प्रसिद्ध या प्रभावशाली हैं। हम कभी–कभी किसी के उम्मीद बन जाते हैं और जब वह व्यक्ति हमसे मिलता है तो उसे लगता है कि उसका जीवन बदल जाएगा। मुझे लगता है यही सच्चा 'फतेह' है – जब आप किसी का जीवन बदल या सुधार सकते हैं, तो यही असली 'फतेह' है।" अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में जुटे सोनू सूद हाल ही में अमृतसर पहुंचे थे। पवित्र शहर की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने बताया था, पंजाब मेरी मातृभूमि है और एक निर्देशक के तौर पर शुरुआत को लेकर मेरे मन में था कि इसकी शुरुआत स्वर्ण मंदिर से होनी चाहिए। यहां पर मैं पला और बढ़ा। एक निर्देशक के तौर पर अपने शहर में वापसी से मुझे गर्व हो रहा है।" सोनू सूद ने आगे बताया, "स्वर्ण मंदिर में आशीर्वाद लेना और वाघा बॉर्डर पर परेड देखना बहुत ही सुकून देने वाला और प्रेरक रहा। यहां कि मिट्टी में देशभक्ति का खजाना है, जिसे मैं हर कदम पर अपने साथ लेकर चलना चाहता हूं। सोनू सूद के निर्देशन में बनी फिल्म 'फतेह' की बात करें तो इसमें सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज, नसीरुद्दीन शाह और विजय राज भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण जी स्टूडियोज के उमेश केआर बंसल और शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद ने किया है। सह–निर्माण अजय धामा ने किया है। सोनू सूद की अपकमिंग फिल्म साइबर क्राइम के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है। फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्लैक बिकिनी पहन लहरों के बीच खेलती दिखीं करिश्मा तन्ना, समंदर किनारे पति वरुण संग बिताए रोमांटिक पल

जब दुनिया घूमने की बात आती है, तो इसमें कोई शक नहीं है कि एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना दुनिया भर में घूमती हैं। वहीं, एक्ट्रेस ने अपने नए साल 2025 की शुरुआत भी विदेश में वेकेशन एंजॉय करते हुए ही की, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। नए साल में करिश्मा अपने पति वरुण बंगेरा संग समंदर किनारे खूब मस्ती करती नजर आईं। उनकी इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। चेहरे पर सनग्लास लगाकर और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है और समंदर किनारे लहरों के बीच खूब अठखेलियां कर रही हैं। वहीं, कई तस्वीरों में वह अपने पति वरुण संग भी मस्ती भरे पोज दे रही हैं। एक साथ कपल की बॉन्डिंग देखते ही बन रही हैं। वहीं, काम की बात करें तो करिश्मा तन्ना ने अपने करियर की शुरुआत 2001 में टेलीविजन शो क्यूंकी सास भी कभी बहू थी से की थी, जिसमें उन्होंने घनश्याम के रोल से प्रसिद्धि पाई। इसके बाद, उन्होंने कई टेलीविजन शो में काम किया, जैसे किस देश में है मेरा दिल, झलक दिखला जा और बिग बॉस 8 में भाग लिया। इसके अलावा, करिश्मा को नच बलिए 7 जैसे डांस रियलिटी शो में भी देखा गया। टीवी शोज के अलावा करिश्मा ष्संता बंता (2009), ग्रैंड मस्ती (2013), एक थी डायन (2013) और संजू (2018) जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

जब अमिताभ बच्चन ने बिपाशा बसु पर किया था मजाकिया कमेंट

अमिताभ बच्चन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें बिग बी अभिनेत्री बिपाशा बसु के बारे में मजाकिया बातचीत करते और उन पर कमेंट करते नजर आए। सामने आया पुराना वीडियो सिमी ग्रेवाल के लोकप्रिय चौट शो, 'रेंडेजवस विद सिमी ग्रेवाल' से है, जिसमें बच्चन अपने परिवार के सदस्यों बेटे अभिषेक, बेटी श्वेता और पत्नी जया बच्चन के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। सामने आया वीडियो स्पेशल पार्ट साल 2004 में आई थ्रिलर–रोमांटिक फिल्म 'एतबार' से जुड़ा है। फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ बिपाशा बसु और जॉन अब्राहम अहम भूमिका में थे। जानकारी के अनुसार उस वक्त जॉन और बिपाशा कथित तौर पर रिलेशनशिप में थे। 'एतबार' में बिग बी ने बिपाशा के पिता की भूमिका निभाई थी। वायरल फुटेज में अमिताभ सिमी के साथ 'एतबार' के सेट से एक मजाकिया घटना को याद करते नजर आए। इस दौरान बिग बी बताते नजर आए कि जब जॉन को कंजंक्टिवाइटिस (आंखों में होने वाला एक प्रकार का संक्रमण) हो गया था, तब उन्होंने टीम को चिढ़ाते हुए चेतावनी दी कि अमिताभ ने जो कुछ भी छुआ है उसे छूने से बचें, क्योंकि संक्रमण होने का डर है। इस पर बिना किसी देरी के बच्चन ने जवाब दिया, मैंने तो किया ही नहीं कुछ (मैंने कुछ नहीं किया)। फिर उन्होंने हंसते हुए कहा, साड़ी छूना तो बिपाशा करती हैं, मैं थोड़े ना करता हूं। पिछले साल, सिमी ग्रेवाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस थ्रोबैक वीडियो को कैप्शन के साथ शेयर करते हुए लिखा था, दोस्तों के बीच थोड़ी गपशप क्या होती है? मिलन स्थल। इस बीच अमिताभ बच्चन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'वेट्टैयान' में नजर आए थे, जहां उन्होंने रजनीकांत, फहाद फासिल और राणा दग्गुबाती के साथ स्क्रीन शेयर की थी। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण सुभास्करन अलीराजा के लाइका प्रोडक्शंस ने किया था। एक्शन–थ्रिलर फिल्म रजनीकांत के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक अनुभवी पुलिस अधिकारी अथियन की भूमिका में है, जो अनजाने में एक मुठभेड़ के दौरान एक निर्दोष व्यक्ति को गोली मार देता है।

डेंगू में फटाफट रिकवरी के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल, दूर होगी कमजोरी

कई बार डेंगू जानलेवा बीमारी साबित होती है। इस बीमारी के वजन तेजी से घट जाता है। ऐसे में आप अपना वेट मेनटेन रखने के लिए कुछ आसान टिप्स अपना सकते हैं। इन टिप्स को फॉलो कर आप जल्द डेंगू जैसी बीमारी से रिकवर हो जाएंगे।

डेंगू बीमारी मच्छर के काटने से होती है। वहीं यह बीमारी कई बार जानलेवा भी साबित हो सकती है। वहीं डेंगू के लक्षणों को पूरी तरह से ठीक होने में काफी समय लगता है। हांलाकि दवाओं के जरिए इस बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है। इस बीमारी से शरीर में कई तरह की गंभीर समस्याएं हो जाती हैं। इनमें से एक समस्या है कि इस बीमारी के बाद वेट कम होने लगता है। क्योंकि डेंगू के दौरान शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। जिसके कारण तेजी से वजन घटने लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेंगू के बाद रघ्किवरी और हेल्ध्दी वजन को मेनटेन रखने के आसान टघ्घ्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे मेनटेन करें वेट

इस बीमारी के बाद वजन को मेनटेन करने के लिए डाइट में हेल्दी फैट्स जैसे पीनट बटर और एवोकाडो जैसी चीजें शामिल करें। इसके अलावा प्रोटीन रघ्चि फूड्स को भी अपनी डाइट में शामिल करें। रोजाना वॉक करें, क्योंकि ऐसा करने से आपकी भूख बढ़ेगी। तनाव न लें। इस तरह से भी आप हेल्दी वेट मेनटेन कर पाएंगे। इसके साथ ही एक ही समय में नाश्ता, लंच और डिनर करें। इससे आपका मेटाबॉलिज्म बेहतर होगा।

जानिए कैसे करें रिकवरी

डेंगू बीमारी से जल्दी रिकवरी के लिए केला, चावल और सूखे मेवे का सेवन करें। काजू, मूंगफली, किशमिश और बादाम को अपनी डाइट में शामिल करें। डाइट में पीनट बटर को शामिल करने से आप वेट मेनटेन कर पाएंगे। इसके अलावा डाइट में केले को शामिल करें। क्योंकि केले में कार्ब्स, कैलोरीज और खनिज पदार्थ शामिल होते हैं। जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है। हेल्दी वेट को मेनटेन करने के लिए अंडे को अपनी डाइट में शामिल करें। क्योंकि अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाई जाती है।

आंखों के लिए वरदान हैं ये सूपरफूड्स, रोज खाने से तेज होगी आई साइड

बिजी लाइफस्टाइल के चलते आजकल लोग ज्यादातर समय टीवी, लैपटॉप जैसे गैजेट्स पर बिता रहे हैं। इन सब चीजों पर ज्यादा समय बिताने के कारण आंखों पर गलत असर हो रहा है। इसके अलावा फास्टफूड्स, सैचुरेटेड फैट, डिब्बाबंद जैसी चीजें भी आंखों की रोशनी कमजोर कर रही हैं। इन सब आदतों के चलते छोटी उम्र में ही बच्चों से लेकर बड़ों को चश्मा लग जाता है। हालांकि आप अपनी खान–पान की आदतों में कुछ बदलाव करके आंखों पर लगे चश्मे से छुटकारा पा सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे सूपरफूड्स बताते हैं जो आपकी आंखों की रोशनी तेज करेंगे। आइए जानते हैं...

हरी पत्तेदार सब्जियां

इन सब्जियों में ल्यूटिन और जेक्सांथिन मौजूद होते हैं। यह दोनों पोषक तत्व आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में हरी पत्तेदार सब्जियों के तौर पर आप पालक, मेथी, बथुआ और सरसों के साग को सर्दियों के इस मौसम में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गाजर

इस मौसम में गाजर भी खूब आती है। गाजर का सेवन करके आप आंखों को रोशनी बढ़ा सकते हैं। यह विटामिन–ए का बहुत अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। नियमित तौर पर इसका सेवन करने से आप अपनी आंखों पर लगा चश्मा उतार सकते हैं।

ओमेगा–3 फैटी एसिड

मछली ओमेगा –3 फैटी एसिड का अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। ऐसे में यदि आप नॉन वेज खा लेते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल करके आंखों को हेल्दी बना सकते हैं।

खट्टे फल

नींबू, संतरे, मौसमी, आंवला, पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स की तरह होते हैं। इनका सेवन करने से आंखों से संबंधित बीमारियों का खतरा कम होता है।

बादाम

इसमें विटामिन–ई काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए यह बहुत ही लाभकारी माने जाते हैं। इसका सेवन करने से मैक्यूलर डिजनरेशन (रेटिना संबंधी बीमारी) का खतरा भी कम होता है।

मछली

यह भी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं। यदि आप नॉन वेजिटेरियन चीजें खा लेते हैं तो टूना, सैल्मन, छोटी समुद्र मछली, ट्राउट, सॉर्डिन और हिलसा को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

जामुन

यह विटामिन–सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह मौसमी फल स्वाद में भी कापी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी आंखे कमजोर न हो तो आप जामुन को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

विटामिन-सी से भरपूर किन्नू दूर करेगा ये समस्याएं, जानें 5 फायदे

सर्दियों में कई सारे मौसमी फल आते हैं उन्हीं मौसमी फलों में से एक है किन्नू। किन्नू एक ऐसा मीठा और पोषक तत्वों से भरपूर फल है जो सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी होता है। इसमें विटामिन–सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम, ग्लूकोज, फ्रुकटोज, सुक्रोज और कार्ब्स पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि सर्दियों में किन्नू खाने से क्या–क्या फायदे होंगे...

विटामिन–सी का अच्छा स्त्रोत

किन्नू में विटामिन–सी मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, स्किन अच्छी रहती है और यह प्लांट बेस्ड फूड्स माना जाता है जो कि आयरन को अब्जॉर्ब करने में भी मदद करता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

इसमें डाइटरी फाइबर मौजूद होता है जो पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करता है। किन्नू खान से कब्ज दूर होती है और इसका सेवन करने से पाचन भी मजबूत बनता है।

पोटेशियम का नैचुरल सोर्स

किन्नू में पौटेशियम काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और फ्लूयड को बैलेंस करने में मदद मिलती है। इसे खाने से नर्व फंक्शन भी बेहतर होता है और मांसपेशियां अच्छी तरह से कार्य करती हैं।

नैचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स

किन्नू में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, क्रोनिक डिजीज का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसका सेवन करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है।

हाइड्रेशन का अच्छा स्त्रोत

किन्नू में अच्छी मात्रा में पानी की मात्रा पाई जाती है ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और बॉडी अच्छे से कार्य करती है। यह त्वचा को साफ और मॉइश्चराइज्ड रखने में मदद करता है।

कम बजट में भी कर सकते हैं वियतनाम की सैर, इन जगहों को जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण–पूर्वी एशिया में स्थित वियतनाम देश काफी ज्यादा खूबसूरत है। ऐसे में आप यहां पर आसानी से घूमने का प्लान बना सकते हैं। वियतनाम में घूमने की इतनी बेहतरीन और खूबसूरत जगहें हैं। जो आपकी ट्रिप को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं।

गूगल पर लोग सबसे ज्यादा खाने से लेकर घूमने तक के बारे में सर्च करते हैं। वहीं घूमने के शौकीन लोग समय मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। वहीं इस साल भारत की कुछ जगहों के साथ–साथ बाहर के कुछ देशों ने भी घूमने की टॉप 10 जगहों में अपनी जगह बनाई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस लिस्ट में सबसे टॉप पर कौन सा नाम रहा। ऐसे मे अगर आपका जवाब नहीं है, तो बता दें कि इस लिस्ट में वियतनाम टॉप पर रहा। दक्षिण–पूर्वी एशिया में स्थित वियतनाम देश काफी ज्यादा खूबसूरत है। ऐसे में आप यहां पर आसानी से घूमने का प्लान बना सकते हैं। वियतनाम में घूमने की इतनी बेहतरीन और खूबसूरत जगहें हैं। जो आपकी ट्रिप को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी वियतनाम घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वियतनाम की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं।

हा लॉन्ग बे

वियतनाम की खूबसूरती का सबसे बेहतरीन नजारा हा लॉन्ग बे में देखने को मिल सकता है। यह जगह यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में भी शामिल है। हा लॉन्ग बे से आपको बेहद खूबसूरत समुद्री नजारा देखने को मिलता है। यहां पर आप बोटिंग का आनंद भी उठा सकते हैं। आप बोटिंग के जरिए इस खूबसूरत जगह का बेहतरीन नजारा देख सकते हैं। इसके अलावा यहां पर कई गुफाएं भी हैं। ऐसे में वियतनाम घूमने के दौरान आपको अपनी ट्रैवल लिस्ट में इन जगह को जरूर शामिल करना चाहिए।

सापा कंट्रीसाइड

वियतनाम की सुंदरता को सुकून से निहारने के लिए सापा कंट्रीसाइड भी एक अच्छा ऑप्शन है। शहर के शोर–शराबे से दूर आप इस जगह पर प्रकृति का आनंद ले सकते हैं। साथ ही आप यहां पर ट्रेकिंग का भी मजा ले सकते हैं। बता दें कि पहाड़ों की गोद में स्थित सापा कंट्रीसाइड से आपको कई बेहतरीन नजारे देखने को मिलेंगे और साथ ही आप यहां के कल्चर के बारे में ज्यादा जान सकेंगे।

क्यू ची सुरंगें

वियतनाम में युद्ध के दौरान हो ची मिन्ह सिटी में क्यू ची सुरंगें बनाई गई थीं। जिससे कि सैनिक आपस में आसानी से संपर्क कर सकें। ऐसे में आप इस टनल से वियतनाम के इतिहास की एक झलक देख सकते हैं। हांलाकि यहां घूमने के लिए आप गाइड की सहायता भी ले सकते हैं।

बा बा नेशनल पार्क

अगर आप वियतनाम में जंगल और तलाब का मजा एक साथ लेना चाहते हैं, तो बा बा नेशनल पार्क आपके लिए परफेक्ट है। यहां पर आप ट्रेकिंग और बोटिंग जैसी कई एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। इसके अलावा आपको यहां पर नाइट स्टे का आनंद भी लेना चाहिए।

गोल्डन ड्रैगन वॉटर पपेट थिएटर

आपको बता दें कि गोल्डन ड्रैगन वॉटर पपेट कोई आम पपेट शो नहीं है। इस थिएटर में आपको हजारों साल पुराने पपेट शो दिखाए जाते हैं, जोकि पानी में होते हैं। आप इस जगह पर म्यूजिक का आनंद भी ले सकते हैं। साथ ही अगर आप यहां की संस्कृति और कला को बेहद पास से जानना चाहते हैं, तो आपको इस जगह को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

संक्षिप्त

माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड और AI विस्तार के लिए भारत में 3 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा : सत्य नडेला

आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भारत में क्लाउड और एआई बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए तीन अरब डॉलर का निवेश करेगी। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। भारत में एक शानदार तेजी देखने को मिल रही है जहां लोग बहु–एजेंट प्रकार की तैनाती के लिए दबाव डाल रहे हैं। भारत में निवेश की घोषणा करने पर सत्या नडेला ने कहा, ष्मैं भारत में अब तक के सबसे बड़े विस्तार की घोषणा करता हूं। ये बताते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं कि हमने अपनी एज़्योर क्षमता का विस्तार करने के लिए 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर अतिरिक्त निवेश किया है।ष उन्होंने कहा कि कंपनी भारत में बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय विस्तार कर रही है। सत्या नडेला ने कहा कि भारत में हर व्यक्ति और संगठन को सशक्त बनाने का माइक्रोसॉफ्ट का मिशन कंपनी को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा, ष्इस उद्देश्य से यह सुनिश्चित होगा कि इस देश की मानव पूंजी लगातार आगे बढ़ती रहे। प्रौद्योगिकी के अपार अवसरों और संभावनाओं का लाभ उठा सके। हम आज अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित हैं, जो हमने हमेशा से की है, कि हम 2030 तक 10 मिलियन लोगों को एआई कौशल के लिए प्रशिक्षित करेंगे।

कई चुनौतियों के बावजूद 2024 में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री नौ प्रतिशत बढ़ी : फाडा

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच दोपहिया तथा यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने बयान में कहा, 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई था। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, ''वर्ष 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र तथा राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा।'' उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल तथा मजबूत ग्रामीण मांग ने वृद्धि को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं तथा बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रहीं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 इकाई रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 इकाई हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 इकाई थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 इकाई पर स्थिर रही। वहीं दिसंबर माह की बात करें तो, फाडा के अनुसार मोटर वाहन क्षेत्र की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 17,56,419 इकाई रह गई। दिसंबर 2023 में 14,54,353 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 18 प्रतिशत घटकर 11,97,742 इकाई रह गया। दिसंबर 2023 में 2,99,351 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी दो प्रतिशत घटकर 2,93,465 इकाई रह गई।

देश शीर्ष आठ शहरों में 2024 में आवासीय बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 12 साल के उच्च स्तर पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में स्थिर ब्याज दरों और मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच प्रीमियम मकानों की बेहतर मांग से आठ प्रमुख शहरों में 2024 में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 12 वर्ष के उच्च स्तर 3,50,613 इकाई पर पहुंच गई। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक ने यह जानकारी दी। हालांकि, रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने पिछले महीने बताया था कि 2024 में सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री चार प्रतिशत घटकर करीब 4.6 लाख इकाई रह गई। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारतीय आवास बाजार में दो से पांच करोड़ रुपये की कीमत वाले मकानों की मजबूत मांग देखी गई। हैदराबाद और पुणे में मांग सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मुंबई में यह 13 वर्षों में सर्वाधिक रही। सलाहकार ने कहा, ''...दो से पांच करोड़ रुपये की श्रेणी के मकानों की मांग में 85 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि देखी गई, हालांकि 50 लाख रुपये से कम और 50 लाख से एक करोड़ रुपये के मकानों की मांग में गिरावट या बिक्री में कमी देखी गई।'' बैजल ने कहा कि आवासीय बाजार में 2020 से जबरदस्त उछाल आया है और 2024 में बिक्री की मात्रा 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच जाएगी। संपत्ति सलाहकार के ये आंकड़े मुंबई, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद और कोलकाता के बाजारों पर आधारित है।

युवराज सिंह उतरे विराट कोहली और रोहित शर्मा के सपोर्ट में, कहा– बीजीटी की हार छोटी, कोहली–रोहित को टारगेट करना ठीक नहीं

युवराज सिंह का मानना है कि बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार से भी बड़ी निराशा न्यूजीलैंड के हाथों घर पर मिली हार थी। भले ही टीम इंडिया 3–1 से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज हारी है, लेकिन युवराज सिंह उनमें शामिल नहीं, जो कप्तान रोहित शर्मा और अनुभव विराट कोहली के फेल होने पर उनकी आलोचना कर रहे हैं।

भारत के वर्ल्ड कप विजेता पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को अपना समर्थन दिया है। साथ ही उनका मानना है कि बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार से भी बड़ी निराशा न्यूजीलैंड के हाथों घर पर मिली हार थी। भले ही टीम इंडिया 3–1 से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज हारी है, लेकिन युवराज सिंह उनमें शामिल नहीं, जो कप्तान रोहित शर्मा और अनुभव विराट कोहली के फेल होने पर उनकी आलोचना कर रहे हैं। पिछले 8 टेस्ट मैचों में भारत 6 मुकाबले हारा है, जबकि एक ही मैच टीम इंडिया जीत पाई है। इस वजह से टीम वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश नहीं कर पाए। पिछली दोनों सीरीजों में विराट कोहली और रोहित शर्मा का बल्ला खामोश रहा। इसको लेकर युवराज सिंह ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि, मेरे हिसाब से न्यूजीलैंड से घर पर हारना ज्यादा दुखदायी है। क्योंकि वे अपने घर में 3–0 से हारे हैं। आप जानते हैं कि ये स्वीकार्य नहीं है। ये अभी भी स्वीकार्य है, क्योंकि आप ऑस्ट्रेलिया में दो बार जीत चुके हैं। इस बार आप हार गए। मेरा मानना है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले कई सालों से प्रभावशाली टीम रही है। ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी फाइनल और वर्ल्ड कप फाइनल 2023 मेंजीता था। हालांकि, युवराज सिंह ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की पिछली उपलब्धियों को देखते हुए उनकी आलोचना करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपने महान खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित के बारे में बात कर रहे हैं, हम उनके बारे में बहुत बातें कह रहे हैं, लेकिन लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने अतीत में क्या हासिल किया है। वे इस समय के महानतम क्रिकेटरों में से एक हैं। ठीक है वे हार गए, उन्होंने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। वे हमसे ज्यादा हर्ट हो रहे हैं। साथ ही टीम इंडिया के हेड कोच और अपने साथी क्रिकेटर गौतम गंभीर को लेकर युवी ने कहा कि, मुझे लगता है कि कोच के तौर पर गंभीर, चयनकर्ता के तौर पर अजीत अगरकर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, ये सभी इस समय क्रिकेट के सबसे बेहतरीन समझ रखते हैं और उन्हें ये तय करना है कि भविष्य में भारतीय क्रिकेट का क्या रास्ता होगा। पूर्व ऑलराउंडर ने सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर रखने वाले रोहित की तारीफ की और कहा कि, मुझे लगता है कि ये बहुत बड़ी बात है। मैंने पहले कभी नहीं देखा कि कप्तान का फॉर्म ठीक नहीं चल रहा हो और वह खुद बाहर चला गया हो। ये रोहित शर्मा की महानता है कि उन्होंने टीम को खुद से आगे रखा। मुझे लगताहै कि वह एक महान कप्तान हैं, चाहे जीत हो या हार, वह हमेशा एक महान कप्तान रहेंगे और उनकी कप्तानी में, हमने वर्ल्ड कप फाइनल खेला है।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद, भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में खेलने की स्वीकृति देगा बीसीसीआई

एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि बीसीसीआई निकट भविष्य में भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में भाग लेने की अनुमति देगा क्योंकि इससे इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी। दिनेश कार्तिक एसए20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनने वाले हैं। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है।

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) निकट भविष्य में भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में भाग लेने की अनुमति देगा क्योंकि इससे इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी। दिनेश कार्तिक एसए20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनने वाले हैं लेकिन यह तभी संभव हो पाया जब उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है। अभी तक भारत से बाहर की प्रतियोगिताओं में खेलने का एकमात्र तरीका स्वदेश में अपने करियर को विराम देना है। डिविलियर्स ने नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए20 के तीसरे सत्र से पूर्व चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए कहा, '' मैं और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को इसमें शामिल होते देखना पसंद करूंगा। हम जानते हैं कि दिनेश कार्तिक इस साल यहां होंगे जो शानदार है और यह टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा है।'' उन्होंने कहा, ''और उम्मीद है कि बीसीसीआई भविष्य में और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में शामिल होने की अनुमति देगा।'' डिविलियर्स अच्छी तरह से जानते हैं कि बीसीसीआई निकट भविष्य में सक्रिय भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग के लिए उपलब्ध नहीं कराने जा रहा है। उनका मानना घ्है कि किसी लीग को प्रतिद्वंद्वियों से आगे रखने का एकमात्र तरीका सर्वश्रेष्ठ विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करना है जैसा कि आईपीएल ने पिछले कुछ वर्षों में किया है। आईपीएल में विवादास्पद इम्पैक्ट प्लेयर नियम को 2027 तक बढ़ा दिया गया है लेकिन डिविलियर्स इसके प्रशंसक नहीं हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह नियम एसए20 में लागू किया जाना चाहिए तो उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मैं कभी भी इसका बड़ा प्रशंसक नहीं रहा हूं और मैंने पिछले सत्र में आईपीएल में इसके बारे में बात की थी। मुझे लगता है कि यह थोड़ा भ्रमित करने वाला है, यह ऑलराउंडर और टीम में उनकी भूमिका पर थोड़ा दबाव भी डालता है।

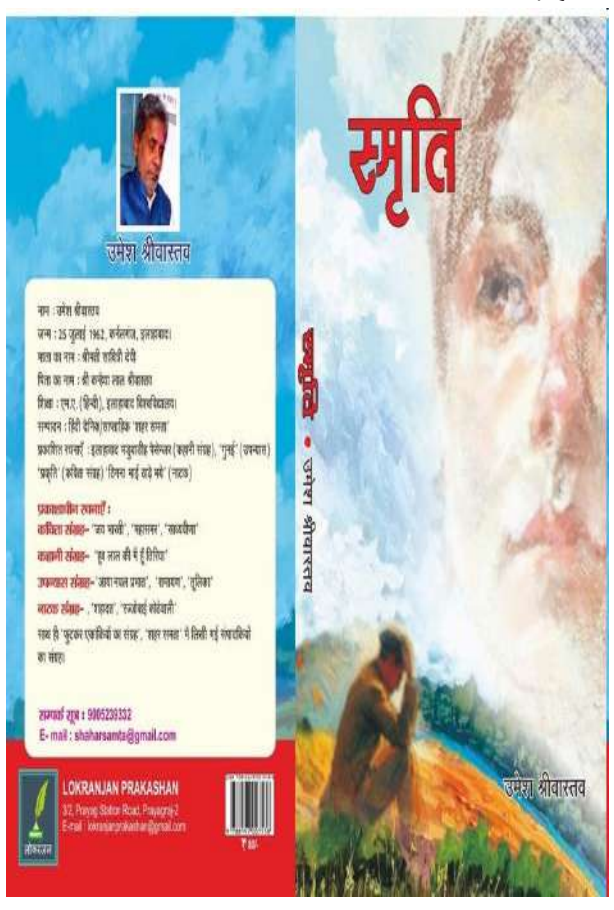

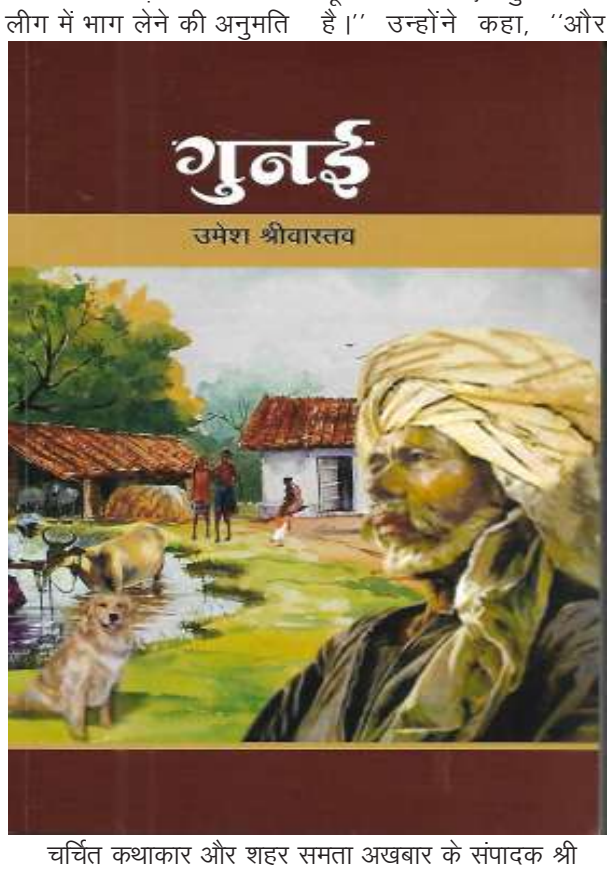

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

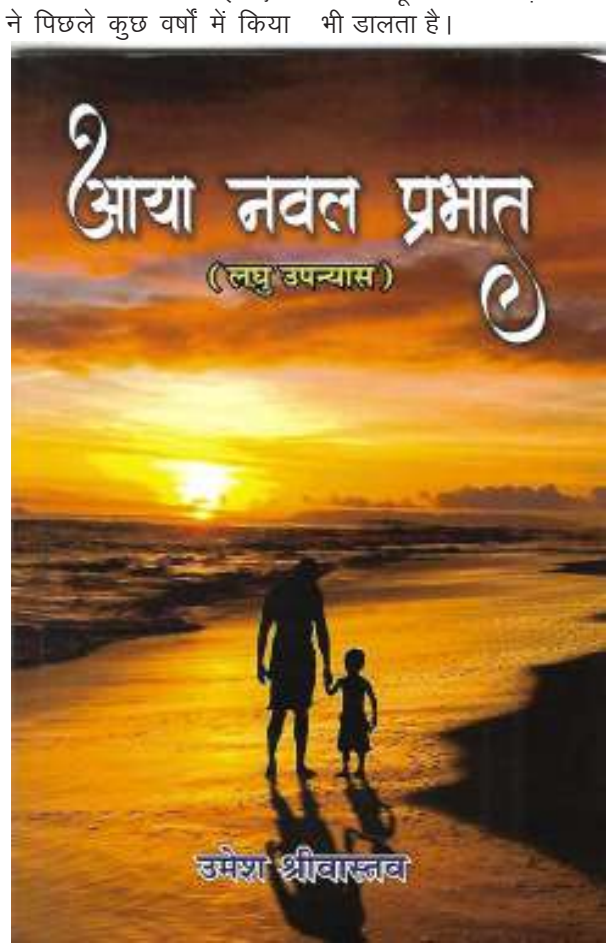

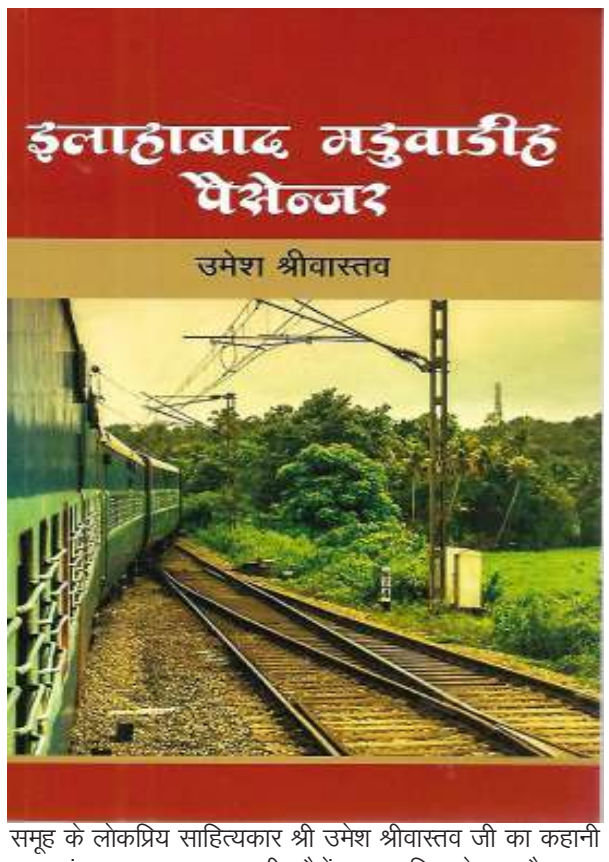

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

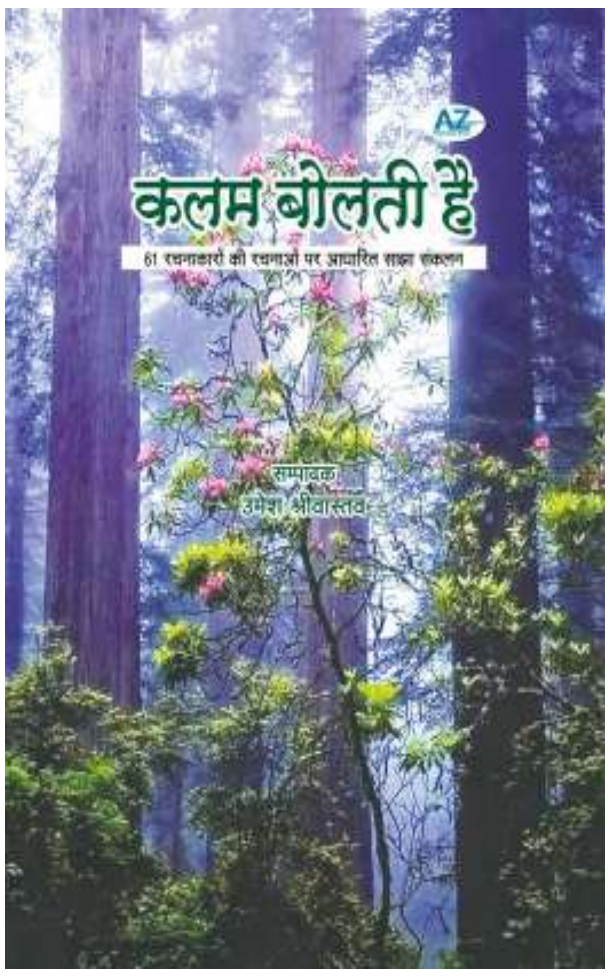

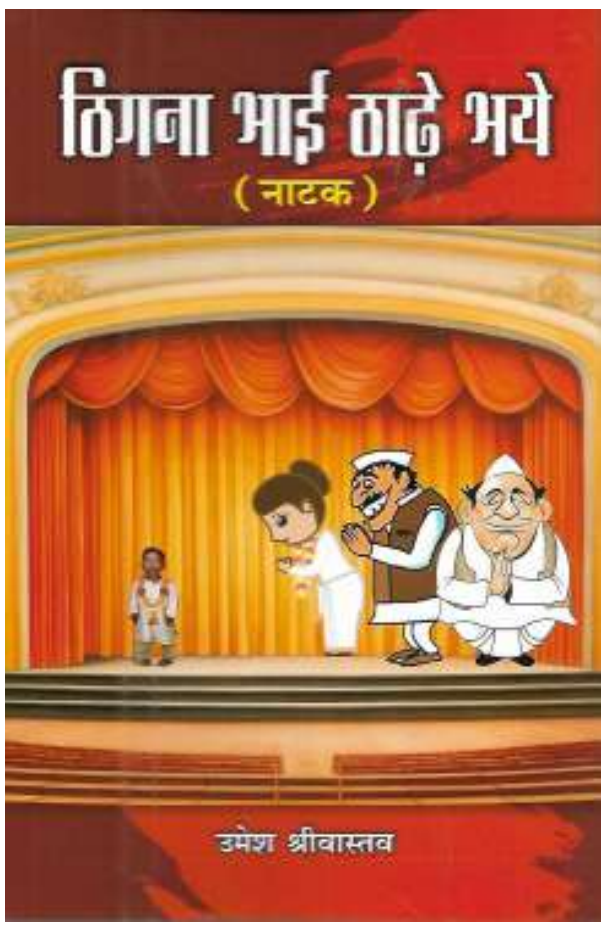

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

टूटे पहाड़, गिरी इमारतें, 5 घंटे में दूसरी बार भूकंप के झटकों से मची तबाही!

रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता का एक और भूकंप 11:27:19 IST पर तिब्बत के ज़िज़ांग क्षेत्र में आया है। यह क्षेत्र में आया पांच घंटे में दूसरा बड़ा भूकंप है। इससे पहले दिन में एक और भूकंप ज़िगाज़े शहर में स्थित डिंगरी काउंटी में आया था। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के शिगाजे शहर में 6.8 तीव्रता का भूकंप आया जिससे कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और 62 अन्य घायल हो गए। चीन की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इस बीच, नेपाल के काठमांडू में आए शक्तिशाली भूकंप के कारण लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का असर काभ्रेपलान्चोक, सिंधुपालचोक, धाडिंग और सोलुखुंबु जिलों में भी महसूस किया गया। काठमांडू में भूकंप से घबराए लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने कुछ समय तक सड़कों के किनारे लगे पेड़ों और बिजली के तारों को हिलते हुए देखा। यूएसजीएस रिपोर्ट के अनुसार, सुबह सात बजे के आसपास एक घंटे के भीतर कम से कम छह बार चार से पांच तीव्रता वाले भूकंप के झटके दर्ज किए गए। यह भूकंप इतना शक्तिशाली था कि नेपाल के लोग घबरा गए। इसने 2015 में आए भीषण भूकंप की याद ताजा कर दी, जिसमें 9,000 लोग मारे गए थे। हालांकि, नेपाल पुलिस के प्रवक्ता का कहना है कि अब तक उन्हें किसी बड़े नुकसान या मानवीय क्षति के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता बिश्वो अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र तिब्बत में होने के कारण उत्तरी नेपाल में रहने वाले लोगों ने अधिक तीव्र झटके महसूस किए।

रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान, विदेश मंत्री की बैठक के बाद अब भारत-मालदीव के डिफेंस मिनिस्टर की मीटिंग

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8 जनवरी को नई दिल्ली में मालदीव के समकक्ष मोहम्मद घासन मौमून के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। मौमून 8 से 10 जनवरी तक भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर होंगे। द्विपक्षीय वार्ता संयुक्त प्रशिक्षण, नियमित अभ्यास, क्षमता निर्माण पहल, रक्षा उपकरण आपूर्ति और उच्च स्तरीय कार्यशालाओं सहित रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा और विस्तार पर केंद्रित होगी। यात्रा के दौरान मौमून गोवा और मुंबई की भी यात्रा करेंगे। भारत और मालदीव के बीच आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, भाषाई और जातीय संबंधों पर आधारित गहरे संबंध हैं। हालाँकि, रिश्ते में उतार–चढ़ाव का अनुभव हुआ है। मालदीव में राजनीतिक बदलावों ने हाल के वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की गतिशीलता को प्रभावित किया है। अब्दुल्ला यामीन (2013–2018) की अध्यक्षता के दौरान, मालदीव चीन की ओर झुक गया, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव के बारे में भारत में चिंता बढ़ गई। 2018 में राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह के चुनाव ने भारत–मालदीव संबंधों में एक सकारात्मक मोड़ लाया, जिसमें रक्षा, बुनियादी ढांचे और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया। आगामी बैठक दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए चल रहे प्रयासों को दर्शाती है। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में संयुक्त प्रशिक्षण शामिल है, जहां भारतीय सशस्त्र बल मालदीव के कर्मियों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाते हैं। भारत ने गश्ती जहाजों की भी आपूर्ति की है और मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बलों के आधुनिकीकरण का समर्थन किया है।

वेस्टबैंक में इस्राइली सेना ने रातभर किए हमले, तीन फलस्तीनियों की मौत, 20 से ज्यादा आतंकी गिरफ्तार

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली सेना ने मंगलवार को अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में कई हमले किए, जिसमें तीन फलस्तीनी मारे गए। सेना ने बताया कि तमुन में उनके जवानों पर गोली चलाई गई, जिसके बाद उन्होंने जवाबी कार्रवाई करते हुए हवाई हमले में दो फलस्तीनियों को मार गिराया। पास के गांव तालुजा में आमने–सामने की भिड़ंत में इस्राइली सेना ने एक अन्य आतंकी को ढेर कर दिया। इस दौरान एक इस्राइली सैनिक घायल हो गया। सेना ने बताया कि उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से 20 से ज्यादा आतंकियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि हाल ही में वेस्टबैंक में इस्राइलियों को ले जा रही बस पर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। मौके से फरार होने से पहले उन्होंने एक 35 वर्षीय पुलिसकर्मी और दो महिलाओं को मार डाला। सेना ने इस घटना का हवाला देते हुए कहा कि रातभर की कार्रवाई का इस गोलीबारी से कोई संबंध नहीं है। इस्राइल में सात अक्तूबर को हुए हमले को अब 15 महीने पूरे हो चुके हैं। इस बीच आतंकियों ने इस्राइलियों पर गोलीबारी, चाकू से हमले और कार से टक्कर मारने जैसी कई घटनाओं को अंजाम दिए। इस्राइल ने रात में अभियान चलाकर आतंकियों पर हमला किया। इस दौरान कई नागरिकों की भी मौत हुई। बता दें कि इस्राइली नागरिकों द्वारा फलस्तीनियों पर हमले की घटनाओं में भी तेजी से वृद्धि हुई है, जिसके कारण अमेरिका को प्रतिबंध लगाना पड़ा। इस्राइल ने 1967 में ही वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था।

15 महीने से जारी है संघर्ष

सात अक्तूबर 2023 में हमास ने इस्राइल पर हमला किया था। इस हमले में 1200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। हमास कई लोगों को बंधक बनाकर भी लगे गए थे। इस्राइली वायु सेना (आईएएफ) ने गाजा के खान यूनिस में मानवीय क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर हमला किया और दक्षिणी गाजा में हमास आंतरिक सुरक्षा बलों के प्रमुख हस्साम शाहवान को मार गिराया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

तिब्बत में 6.8 तीव्रता वाले भूकंप ने मचाई तबाही, 95 लोगों की मौत, 130 घायल

तिब्बत में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये। इस भीषण भूकंप में 95 लोगों की मौत हो गई। जबकि 130 लोग घायल हुए हैं। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार मंगलवार सुबह 9:05 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.8 मापी गयी। चीन की सरकारी मीडिया मुताबिक तिब्बत के शिजांग शहर के डिंगरी काउंटी में 6.8 तीव्रता के भूकंप में 95 लोगों की मौत हुई है। 130 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में 28.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87.45 डिग्री पूर्वी देशांतर में था। इससे पहले नेशनल सेंटर फॉर सीसमोलॉजी ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही तिब्बत क्षेत्र के शिजांग में भूकंप झटके महसूस किए जा रहे हैं। यहां सुबह 6:30 बजे 7.1 तीव्रता के साथ 10 किमी गहराई पर भूकंप आया। इसके बाद 7:02 बजे 4.7 तीव्रता, 07:07 बजे 4.9 तीव्रता और 7:13 बजे पांच तीव्रता का भूकंप आया। इसके चलते लोग घरों को छोड़कर खुले स्थानों की ओर चले गए। भारत में भी महसूस किए गए झटके

भूकंप के झटके भारत के कई राज्यों में भी महसूस किए गए। इसकी जद में सबसे ज्यादा बिहार आया। इसके अलावा असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस दौरान डरे सहमे लोग अपने–अपने घरों से बाहर निकल आए। यूएसजीएस भूकंप के मुताबिक, भूकंप का केंद्र लोबुचे से 93 किमी उत्तर पूर्व में था।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार–बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों–ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

अब अमेरिका का 51वां राज्य बनेगा कनाडा!

जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे पर ट्रम्प ने कुछ यूं ले लिए मजे

डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी। डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कनाडा को अमेरिका का 51वा राज्य बनाने की अपनी मांग दोहराई। ट्रम्प ने सुझाव दिया कि कई कनाडाई इस विचार का स्वागत करेंगे। उन्होंने दावा किया कि ट्रूडो ने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि उन्हें एहसास हो गया था कि अमेरिका अब कनाडा के विशाल व्यापार घाटे और सब्सिडी को सहन नहीं कर सकता है। जिस पर कनाडा निर्भर था। जस्टिन ट्रूडो ने लगभग एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद अपना इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के कारण उन्होंने मतदाताओं के समर्थन की कमी को बताया है। हालांकि ट्रूडो का राजनीतिक भविष्य पिछले कुछ समय से अनिश्चित था, नवंबर में डोनाल्ड ट्रम्प के द्वारा व्हाइट हाउस में फिर से कब्जा जमाने के बाद उनका पतन तेजी से हुआ है। ट्रम्प की ओर से कनाडा के उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी ने कनाडाई अर्थव्यवस्था पर भारी दवाब बना दिया था। जिससे वहां आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ गयी थी। ट्रूथ सोशल पर अपनी प्रतिक्रिया में ट्रम्प ने मजाकिया लहजे में कहा कि कनाडा में बहुत से लोग 51वां राज्य बनाने से प्यार करेंगे। अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाता है तो कोई टैरिफ नहीं होगा। टैक्स भी बहुत कम हो जाएंगे और रूसी और चीनी जहाजों के खतरे से पूरी तरह सुरक्षित हो जाएगा। जो लगातार उन्हें घेर के रखते हैं। ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका में शामिल होना एक अच्छा विकल्प बताया, जिससे न केवल टैरिफ की समस्या हल होगी बल्कि आर्थिक लाभ भी होंगे। उन्होंने ये भी जोड़ा की साथ में मिलकर एक महान राष्ट्र बन सकता है। पिछले साल 2024 में नवंबर के दौरान जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिका कनाडा संबंधों को बेहतर बनाने के लिए मारे–ए–लागो की यात्रा की थी। उन्होंने ट्रंप से मुलाकात की थी। हालांकि इस मुलाकात के बावजूद ट्रंप ने कनाडा पर टैरिफ लगाने की धमकी को जारी रखा। यहां तक की मजाक में कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने और ट्रूडो को उसका गवर्नर बनाने की बात कही। ट्रंप ने भड़कते हुए ट्रूडो से कहा कि यदि आपको हमारे फैसले से दिक्कत हो रही है तो आप कनाडा के बॉर्डर को खत्म करिए और खुद अमेरिका का हिस्सा बन जाइए। ट्रंप के टैरिफ लगाने की बात पर ट्रूडो ने कहा कि आप टैरिफ नहीं लगा सकते क्योंकि इससे कनाडा की अर्थव्यवस्था खत्म हो जाएगी। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने जवाब दिया, तो आपका देश तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक कि वह अमेरिका से 100 बिलियन डॉलर का चूना न लगा दे? ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो को दो टूक कहा कि अमेरिका के साथ 100 बिलियन का व्यापार घाटा है। इसे खत्म करना ही होगा, वरना हम कड़े फैसले लेने के लिए मजबूर होंगे। कनाडा चाहे तो अमेरिका का 51वां राज्य बन सकता है। हम जस्टिन ट्रूडो को उसका गवर्नर बना देंगे। इस पर ट्रूडो ने कहा कि नहीं नहीं प्रधानमंत्री का पद बेहतर है।

असद शासन के पतन के बाद दमिश्क एयरपोर्ट पर उतरा पहला विमान, रॉयल जॉर्डन एयरलाइंस ने किया परीक्षण

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल–असद के 24 साल लंबे शासनकाल के पतन के करीब एक महीने के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ान कतर से मंगलवार को दमिश्क हवाई अड्डे पर उतरी। जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के अनुसार, रॉयल जॉर्डन एयरलाइंस का एक विमान परीक्षण के लिए दमिश्क के लिए रवाना हुआ। इसे लेकर नागरिक उड्डयन विनियामक आयोग के प्रमुख कैप्टन हैथम मिस्तो, जो विशेषज्ञों की एक टीम के साथ सवार थे, ने कहा कि इसका उद्देश्य नियमित उड़ानें फिर से शुरू करने से पहले दमिश्क हवाई अड्डे की तकनीकी स्थिति का मूल्यांकन करना था। कतर के पीएम से मिले सीरिया के नए विदेश मंत्री

एक महीने पहले पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर–अल–असद को सत्ता से बेदखल करने वाले विद्रोही हमले के बाद से, अरब और पश्चिमी देश जिन्होंने पूर्व सरकार के साथ संबंध तोड़ लिए थे, वे सीरिया के नए वास्तविक अधिकारियों के साथ राजनयिक संबंध फिर से खोल रहे हैं, जिनका नेतृत्व इस्लामिस्ट पूर्व विद्रोही समूह हयात तहरीर अल–शाम या एचटीएस कर रहा है। इससे पहले सीरिया के नए विदेश मंत्री ने रविवार को दोहा में अपने कतरी समकक्ष और कतर के प्रधान मंत्री से मुलाकात की थी।

8 दिसंबर, 2024 को देश छोड़कर भागे थे असद बता दें कि, 8 दिसंबर, 2024 को विद्रोही हमले के बीच सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल–असद देश छोड़कर चले गए थे। जिसके साथ न केवल उनके 24 साल के शासन का अंत हुआ था, बल्कि उनके परिवार के पांच दशकों के शासन का भी पतन हो गया था। देश में 26 नवंबर, 2024 को शुरू हुए एक इस्लामवादी–नेतृत्व वाले विद्रोही हमले ने राष्ट्रपति बशर अल–असद के नियंत्रण से शहर दर शहर छीन लिया और उन्हें देश छोड़कर भागने पर मजबूर किया। सीरिया में 2011 से छिड़ा था गृहयुद्ध साल 2011 में अरब स्प्रिंग के दौरान जब सीरिया में शांतिपूर्ण प्रदर्शन शुरू हुए, तो राष्ट्रपति असद ने इसे रोकने के लिए सेना का सहारा लिया था। यह प्रदर्शन जल्द ही गृहयुद्ध में बदल गया। इस युद्ध में 500,000 से अधिक लोग मारे गए और आधी आबादी विस्थापित हो गई थी। इस दौरान राष्ट्रपति असद ने प्रदर्शनकारियों को श्आतंकवादीश करार दिया था और अपनी सैन्य कार्रवाइयों को उचित ठहराया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

रक्षा उपकरणों के साझा विकास पर इंडोनेशिया-जापान सहमत, वार्ता फिर शुरू करने का लिया फैसला

जकार्ता। इंडोनेशिया सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह जापान के साथ नौसैनिक जहाजों के संयुक्त विकास पर फिर से वार्ता शुरू करने पर सहमत हुई है। यह वार्ता बीते कुछ वर्षों से रुकी हुई थी। जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी ने आज अपने इंडोनेशियाई समकक्ष सजाफ्री सजामसोएद्दीन के साथ एक बैठक की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की गई। उन्होंने समुद्री जहाजों और अन्य रक्षा उपकरणों के साझा विकास और तकनीकी हस्तांतरण (टेक्नोलॉजी ट्रांसफर) पर वार्ता जारी रखने का फैसला किया। जनरल नकातानी इंडोनेशिया के दौरे पर हैं।

बैठक को लेकर इंडोनेशियाई रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा

इंडोनेशियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर फ्रेगा वेनस ने कहा, श्दोनों रक्षा मंत्रियों ने सैन्य उपकरणों के विकास में सहयोग करने के फैसले का स्वागत किया है। हमें यह देखना होगा कि (सैन्य उपकरणों का) साझा विकास कहां पर होगा और क्या इसमें जहाजों या अन्य रक्षा उपकरणों का भी विकास होगा।श जापान अभी अपने रक्षा उपकरणों (जैसे फ्रिगेट या पनडुब्बियों का निर्यात) और प्रौद्योगिकी के निर्यात पर सख्त नियमों का पालन करता है और इसलिए माना जा रहा है कि साझा विकास ही रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण का सबसे व्यावहारिक तरीका है।

अन्य देशों के साथ भी वार्ता पर विचार कर रहा जापान

जापानी मीडिया के मुताबिक, नकातानी ने इस दौरे के दौरान श्मोगामीश क्लास फ्रिगेट के साझा विकास के लिए वार्ता का प्रस्ताव रखा, जो पिछले कुछ वर्षों से रुकी हुई थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने रक्षा मंत्री रहते हुए इसमें रुचित दिखाई थी। ये जहाज सामान्य डेस्ट्रॉयर की तुलना में आधे चालक दल के साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, इस वार्ता में पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के कार्यकाल में इसलिए रुकावट आई, क्योंकि इंडोनेशिया ने अपनी राजधानी को स्थानांतरित करने में बड़ी रकम निवेश की थी। अब जापान, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के साथ भी मोगामी क्लास फ्रिगेट के साझा विकास पर विचार कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया इस साल के मध्य में इस साझेदारी पर फैसला ले सकता है।

इंडोनेशिया जापान के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्ररू जनरल नकातानी

नकातानी ने बैठक के बाद मीडिया के सामने कोई टिप्पणी नहीं की। लेकिन एक बयान में कहा कि वह दक्षिण–पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, इंडोनेशिया रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है और हमारे समुद्री मार्गों के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा पर सलाह–मशविरा करने पर भी सहमति जताई।

जेक सुलिवन और अजीत डोभाल की मुलाकात पर व्हाइट हाउस का बयान, कहा- दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों देशों को पहले से ज्यादा विश्वसनीय और लचीला आधार बनाने के लिए अपने साझेदारी के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। दोनों देशों ने तकनीकी और रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत करने के लिए कदम उठाए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि बैठक के दौरान सुलिवन और डोभाल ने तकनीक के संयुक्त उत्पादन और विकास के प्रयास के महत्व को लेकर चर्चा की। यह हमें दुनिया के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और लागत–प्रतिस्पर्धी तकनीकी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत अंतरिक्ष से लेकर सेमी कंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, उन्नत दूरसंचार और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर साझेदारी के साथ काम कर रहे हैं।

ओले, तूफान, भारी बारिश.. मक्का और मदीना में आई बाढ़, पूरा सऊदी अरब हाई अलर्ट पर

सऊदी अरब का जब जिक्र होता है तो हमारे दिमाग में मक्का, मदीना और रेगिस्तान की तस्वीर बनती है। लेकिन अब यहां के हालात बदल गए हैं। भारी बारिश के बाद भीषण बाढ़ आ गई है। मक्का और मदीना के ज्यादातर हिस्सों में खास तौर से जेद्दा शहर और गवर्नरेट के अन्य क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तूफान के साथ भारी बारिश हुई। बारिश के बाद आई बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो बारिश बुधवार को भी जारी रह सकती है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में शहर आंशिक रूप से जलमग्न दिखाई दे रहे हैं।

लाखों मुस्लिम आते हैं हज और उमरा करने

सऊदी अरब में मक्का मदीना बेहद पवित्र तीर्थ स्थल है। यहां दुनियाभर से हर वर्ष लाखों मुसलमान हज और उमरा करने के इन शहरों में आते हैं। मगर इन दिनों भयंकर बारिश ने पूरे सऊदी का माहौल बदल दिया है। भारी बारिश के कारण सऊदी के कई शहर डूब गए हैं। आगे भी ऐसी स्थिति बने रहने की चेतावनी जारी की गई है। नेशनल मीटियोलॉजिकल सेंटर (छब्) ने इस सप्ताह के लिए मध्यम से भारी बारिश, गरज और धूल भरी आंधी का अनुमान व्यक्त किया है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।